हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 18 मई 2025

तापमान
अधिकतम 44.5डिग्री
न्यूनतम 21.5 डिग्री

11 करोड़ों की निकिल चुराने वाला 50 हजार ...

12 पत्रकारों को सत्यनिष्ठा से काम करना चाहिए ...

दिव्यांशी का मुंह मीठा कराते शिक्षक

रोहतक। टीचर और स्कूल स्टाफ छात्रा को मिठाई खिलाते हुए। फोटो : हरिभूमि

कड़ी मेहनत और दो घंटे की लगातार पढ़ाई से मिली सफलता

काहनौर स्कूल की छात्रा दिव्यांशी 10वीं में प्रदेश में दूसरे नंबर पर आई

■ दिव्यांशी के परिणाम की सूचना पर शुभकामना वालों का लगा तांता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलानौर

शनिवार को जारी हुए दसवीं कक्षा के हरियाणा विद्यालय बोर्ड के परिणाम में कलानौर के निजी स्कूल काहनौर की दसवीं कक्षा की छात्रा दिव्यांशी ने पूरे हरियाणा में दूसरा स्थान प्राप्त कर अपने गांव और माता-पिता का नाम रोशन किया है।

दिव्यांशी ने 500 में से 496 अंक प्राप्त किए। दिव्यांशी के पूरे हरियाणा में दूसरे नंबर पर आने की सूचना जैसे ही ग्रामीणों को पता लगी तो सभी ने दिव्यांशी को शुभकामनाएं देना शुरू कर दिया। इस दौरान स्कूल द्वारा दिव्यांशी को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की गई। दिव्यांशी ने बताया कि यह सब उनके गुरुजन व माता पिता द्वारा प्रदान की गई शिक्षा के कारण ही संभव हो पाया है। वह सभी की बहुत आभारी हैं। स्कूल निदेशिका व प्रिंसिपल ने छात्रा के परिवार को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। दिव्यांशी की दादी उषा रानी के साथ-साथ पिता लवली व माता किरण ने बेटी की उपलब्धि से फूले नहीं समा रहे हैं।

सफलता का श्रेय अध्यापकों को दिया

दिव्यांशी अपनी सफलता का श्रेय स्कूल के अध्यापकों को देती हैं। दिव्यांशी का कहना है कि जो कुछ भी स्कूल में अध्यापक पढ़ाते थे उसे सिर्फ वो घर मे आकर दोहराती थी। स्कूल में अध्यापक सारे टॉपिक अच्छी तरह से समझाते थे जिसके चलते उसने ये मुकाम हासिल किया है।

हर टॉपिक को पूरी एकाग्रता से सुनें

दिव्यांशी का कहना है कि जो कुछ भी अध्यापक कक्षा में पढ़ाए उसे पूरी एकाग्रता से सुनना चाहिए। उसके बाद कुछ अलग से करने की जरूरत नही पड़ेगी।

खबर संक्षेप

नेहा मित्तल ने 12वीं में 95% अंक प्राप्त किए

रोहतक। नेहा मित्तल ने सीबीएसई 12वी परीक्षा में 95% अंक प्राप्त कर रोहतक में अपने स्कूल और माता-पिता का नाम रोशन किया। उनकी सफलता के पीछे लगातार मेहनत और परिवार का सहयोग रहा। भविष्य में नेहा मित्तल एक इंजीनियर बनना चाहती है और इंजीनियर बनने में उसके माता-पिता का बड़ा सहयोग रहेगा। सीबीएसई ने 12वीं और 10वीं परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए। परिणाम जारी होने के बाद टॉपर्स की भी सूची सामने आ गई है। नेहा मित्तल वैश्य पब्लिक स्कूल की छात्रा हैं। बिजनेसमैन पिता गौरव मित्तल और ग्रहणी मां की बेटी नेहा ने बताया कि उन्होंने प्रतिदिन चार से पांच घंटे मन लगाकर पढ़ाई की और इसमें पूरे साल निरंतरता बनाए रखी।

विद्या प्रकाश स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा

रोहतक। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड का दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। विद्या प्रकाश पब्लिक स्कूल कन्हैली रोड का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यालय की छात्रा हिमांशी पुत्री सत्यवीर सिंह ने 500 में से 480 (96 प्रतिशत) अंक तथा हिमांशी पुत्री सुनील ने भी 480 (96 प्रतिशत) अंक लेकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया, दूसरा स्थान जिया ने 472 (94.4 प्रतिशत) व कॉफी ने 472 (94.4 प्रतिशत) और तन्नु ने 472 (94.4 प्रतिशत) अंक प्राप्त किए हैं। विद्यालय में कुल 88 विद्यार्थियों में से 52 विद्यार्थियों ने मेरिट में स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के निदेशक अशोक कुमार ने सभी छात्रों, अभिभावकों व अध्यापकों को इस शानदार उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में विज्ञान, नवाचार व प्रौद्योगिकी विषय पर राष्ट्रीय तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन

विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा के बदलते आयामों पर अनुसंधान और नवाचार को जीवन का अभिन्न अंग बनाएं : डॉ. वर्मा

कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय तकनीकी दिवस न केवल भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा को सम्मानित करता है, बल्कि यह युवाओं को अनुसंधान और नवाचार की दिशा में प्रेरित करता है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन का विषय विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय तकनीकी रहा, जिसमें वक्ताओं ने तकनीकी क्षेत्र में नवीनतम खोजों एवं नवाचारों पर अपने विचार साझा किए। यह संगोष्ठी बीएमयू की इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय द्वारा हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी परिषद हरियाणा के सहयोग से आयोजित की गई। कुलपति प्रोफेसर डॉ. एचएल वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय तकनीकी दिवस न केवल भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा को सम्मानित करता है, बल्कि यह युवाओं को अनुसंधान और नवाचार की दिशा में प्रेरित करता है। उन्होंने तकनीकी शिक्षा के बदलते आयामों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अनुसंधान और नवाचार को जीवन का अभिन्न अंग बनाएं।

मुख्य अतिथि डॉ. एसपी खटकड़ ने डीआरडीओ की भूमिका और उसके द्वारा किए जा रहे अत्याधुनिक अनुसंधानों पर जानकारी दी। डीआरडीओ भारत की रक्षा प्रणाली की आत्मनिर्भरता की रीढ़ है। आज हम मिसाइल तकनीक, रडार सिस्टम, साइबर वारफेयर एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। युवा इंजीनियरों को चाहिए कि वे वैज्ञानिक अनुसंधान को अपनी प्राथमिकता बनाएं और राष्ट्र निर्माण में योगदान दें।

आज का युग नवाचार और उद्यमिता का है

विशिष्ट अतिथि डॉ. ओपी सांगवान ने लेटेस्ट ट्रेंड्स इन टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन एंड स्टार्टअप्स विषय पर विचार रखते हुए कहा कि आज का युग नवाचार और उद्यमिता का है। यदि आपके पास एक नवीन विचार है, तो सरकार और उद्योग जगत आपके साथ खड़ा है। तकनीकी स्टार्टअप्स आज देश के विकास की नई धुरी बन चुके हैं। हमें 'जॉब सीकर' की जगह 'जॉब क्रिएटर' बनने की ओर अग्रसर होना होगा।

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक में राष्ट्रीय तकनीकी संगोष्ठी के अवसर पर अतिथियों के साथ कुलपति प्रोफेसर डॉ. एचएल वर्मा। फोटो : हरिभूमि

डिजिटल युग में डेटा हमारी सबसे बड़ी संपत्ति है

डॉ. अमित बंसल ने रियल टाइम साइबर सिक्योरिटी विषय पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि डिजिटल युग में डेटा हमारी सबसे बड़ी संपत्ति है और इसे सुरक्षित रखना सबसे बड़ी चुनौती। रियल टाइम मॉनिटरिंग, थ्रेट इंटेलिजेंस और एथिकल हैकिंग जैसे विषयों में छात्रों को दक्षता प्राप्त करनी चाहिए। इससे न केवल उनके लिए करियर के नए द्वार खुलेंगे, बल्कि वे राष्ट्र की डिजिटल सुरक्षा में भी भागीदार बनेंगे। डॉ. राहुल तनेजा ने वर्चुअल माध्यम से पेटेंट और बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर अत्यंत जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने छात्रों को पेटेंट फाइलिंग की प्रक्रिया, उसमें आने वाली चुनौतियों तथा नवाचार को वैध अधिकारों से सुरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। आज के युग में इनोवेशन तभी फलदायी होता है जब उसे कानूनी अधिकार प्राप्त हों। भारत सरकार द्वारा स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स को पेटेंट प्रक्रिया में सहयोग देने की कई योजनाएं हैं, जिनका लाभ लेकर विद्यार्थी अपने विचारों को संरक्षित कर सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. विनोद कुमार (रजिस्ट्रार), डॉ. नवीन कपिल (डीन एकेडमिक), डॉ. सुधीर मलिक (छात्र कल्याण अधिष्ठाता), डॉ. मुकेश सिंगला, डॉ. सोमवीर, प्रोफेसर डॉ. सुदेश, डॉ. बिजेंद्र, दीपिका शर्मा आदि उपस्थित रहे।

ग्रीनलैण्ड स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

रोहतक। ग्रीनलैण्ड पब्लिक स्कूल का 12वीं कक्षा का परिणाम इस वर्ष भी शत-प्रतिशत रहा, जिससे विद्यालय प्रबंधन, विद्यार्थी एवं अभिभावकों में खुशी की लहर दौड़ गई। सीबीएसई द्वारा घोषित ऑल इंडिया सीनियर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम में स्कूल के विद्यार्थियों ने एक बार फिर से उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन किया। वाणिज्य संकाय में अंजलि सांपला ने 92% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं अर्थशास्त्र विषय में 97% अंक अर्जित कर टॉपर रही। विज्ञान संकाय में रेणुका (अटायल) ने विद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। रेणुका ने फिजिक्स में 92% और कैमिस्ट्री में 90% अंक हासिल किए। वहीं नवीन (दत्तौड़) ने बायोलॉजी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। ज्योति (अटायल) ने इंग्लिश में 93% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पाया, जबकि खुशी (दत्तौड़) ने पॉलिटिकल साइंस में 93% और प्रशांत (दत्तौड़) ने हिन्दी में 97% अंक प्राप्त किए। संगीत विषय में प्रिया (गांधरा) ने 96% अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। गरिमा मेहरा ने 90% अंक लेकर शारीरिक शिक्षा में टॉप किया। कला संकाय और अन्य विषयों में भी 80% से अधिक विद्यार्थियों ने किसी न किसी विषय में मैरिट प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। कुल मिलाकर, 80% से अधिक विद्यार्थियों ने किसी न किसी विषय में मैरिट सूची में स्थान बनाया। इस अवसर पर निर्देशक एएस कौशिक, सह-निर्देशिका संतोष कौशिक, वाइस प्रिंसिपल तनु सचदेवा एवं प्राइमरी हेड मिस ज्योति विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

नवयुग स्कूल के छात्रों ने परीक्षा परिणाम में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

रोहतक। नवयुग स्कूल के छात्रों ने हरियाणा बोर्ड पर कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। स्कूल के सभी 75 छात्रों का रिजल्ट शत-प्रतिशत रहा, जिसमें 46 छात्रों ने मेरिट और बाकी सभी छात्रों ने प्रथम श्रेणी में आकर अपने स्कूल और माता-पिता का नाम रोशन किया है।

मुख्याध्यापिका मनीषा शर्मा ने बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई दी और कहा कि यह परिणाम बच्चों की लगन और अध्यापकों की मेहनत का नतीजा है। एडवोकेट डॉक्टर विजयपाल निनानिया और प्रधानाचार्या गीता जांगड़ा ने बच्चों और माता-पिता को बधाई दी और उनके अच्छे भविष्य की कामना की। बताया कि 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या 4 है। 80प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या 18 है। 70प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या 24 है। प्रथम श्रेणी में आने वाले छात्रों की संख्या 28 है।

टॉपर छात्रों के नाम

वासु पुत्र श्री सत्यवान ने 92.4% नंबर लेकर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
प्रभजोत ने 91.4% लेकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
तन्नु ने 91% नंबर लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अन्य उच्च स्कोर करने वाले छात्र

संध्या ने 453 नंबर प्राप्त किए।
कनक और भावना ने 435 नंबर प्राप्त किए।
पुनित ने 431 नंबर प्राप्त किए।
सारिका ने 425 नंबर प्राप्त किए।
तनुज और कनिका ने 419 नंबर प्राप्त किए।
ज्योति और तपस्या ने 418 नंबर प्राप्त किए।

टैगोर स्कूल के विद्यार्थियों ने सफलता का कीर्तिमान स्थापित किया

रोहतक। पटेल नगर स्थित टैगोर सीनियर सैकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की सकैण्डरी परीक्षा परिणाम में जिले में सफलता का पंचम लहराया। स्कूल निदेशक सुनील भ्याणा ने बताया कि टैगोर सीनियर सैकेंडरी स्कूल का परीक्षा का परिणाम 100 प्रतिशत रहा तथा स्कूल के 12 विद्यार्थियों ने मैरिट व छात्रवृति प्राप्त की। इस स्कूल में राहुल ने 92 प्रतिशत, रेखा ने 90 प्रतिशत, यशिका व गरिमा ने 88 प्रतिशत, रज्जी ने 87 प्रतिशत, आशिमा ने 82 प्रतिशत, राधा व योगिता ने 81 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निदेशक ने विद्यार्थियों, अध्यापकों तथा अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी।

रोहतक। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर खुशी मनाती वैश्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राएं।

वैश्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं का 10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन

रोहतक। वैश्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय की छात्रा सोनल ने 96% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वंदना ने 95% अंकों के साथ द्वितीय स्थान तथा नेहा ने 94% अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की लगभग 60% छात्राएँ मेरिट सूची में शामिल रही, जो कि संस्था के उच्च शैक्षणिक स्तर का प्रमाण है। इस उपलब्धि पर वैश्य एजुकेशन सोसाइटी के सचिव राजेंद्र बंसल, सह-सचिव श्यामलाल गर्ग, कोषाध्यक्ष डॉ. चंद्र गर्ग, गवर्निंग बॉडी के सदस्य ईश्वर चंद्र गुप्ता, नितिन तायल, कॉलेजियम सदस्यों एवं विद्यालय की प्राचार्या रेखा गुप्ता ने छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं विद्यालय के समस्त शिक्षकों को हार्दिक बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। विद्यालय प्रबंधन ने इस सफलता को विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम बताया और आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी छात्राएं इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करती रहेंगी।

सीबीएसई परीक्षा परिणाम में आईबी स्कूल के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

रोहतक। आईबी स्कूल के विद्यार्थियों ने सीबीएसई कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणामों में सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। 12वीं (आर्ट्स स्ट्रीम) में विद्यालय की छात्रा भूमिका ने 94.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। आईशी ने 93.6 प्रतिशत अंक के साथ दूसरा व गौरव ने 93.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

शुभकामनाएं दी

आईबी विद्यालय के चेयरमैन अमरजीत सिंह, डायरेक्टर अजीत सिंह ढुल, अकादमिक डायरेक्टर एसबी राठी तथा प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार सिंह ने सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि आईबी विद्यालय परिवार को अपने विद्यार्थियों पर गर्व है।

12वीं कक्षा के विषयों में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या

अंग्रेजी - 7
अर्थशास्त्र - 15
फाइन आर्ट्स - 5
शारीरिक शिक्षा - 6
रसायन विज्ञान - 3
बिजनस स्टडीज - 7
एकाउंट्स - 4
संगीत - 3

कक्षा 10वीं

वहीं रिया सापरा ने 96.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। धैर्य ने 96.2 प्रतिशत के साथ दूसरा तथा सार्थक ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

12वीं कक्षा के विषयों में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या

अंग्रेजी - 23
हिंदी - 29
गणित - 23
विज्ञान - 14
सामाजिक विज्ञान - 22
आईटी - 55

सैनी कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल व सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल का शानदार रहा परीक्षा परिणाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶रोहतक

सैनी एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित सैनी कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल व सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हरियाणा बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा दसवीं के परीक्षा परिणाम में छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्था व विद्यालय का नाम रोशन किया।

सैनी कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। 69 में से 28 छात्राओं ने मेरिट प्राप्त की है। दृष्टि ने 97.4 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम, अर्शी 96 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय, धनाक्षी ने 92.8 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल का परिणाम 32 मैरिट के साथ 100 प्रतिशत रहा है। कुल 90 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। हर्ष 500 में से 473 अंक लेकर 94.6 प्रतिशत अंक के साथ स्कूल में प्रथम रहे।

लक्ष्य सिंह ने 500 में से 468 अंक लेकर 93.6 प्रतिशत के साथ स्कूल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया और करण साहनी ने 500 में से 457 अंक लेकर 91 प्रतिशत के साथ स्कूल में तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्था के प्रधान अवनीश कुमार सैनी व संस्था के पदाधिकारियों द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी गई। उन्होंने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की और सभी बच्चों, अभिभावकों व स्टाफ सदस्यों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। सैनी कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रबंधक व कार्यकारिणी सदस्य रितुराज सैनी ने बच्चों को भविष्य में भी इसी तरह पूरी निष्ठा व मेहनत से पढ़ाई कर अपने माता-पिता के सपनों को पूरा करने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर उप प्रधान बुधराम सैनी, सचिव जगदीश कुमार सैनी, सह सचिव रविन्द्र सैनी, कैशियर नफे सिंह, सैनी कार्यकारिणी सदस्य बलवंत सैनी, दया सिंह सैनी, डॉ. राजेश सैनी, श्याम कटारिया, नरेन्द्र सैनी, प्रवीन सैनी, प्राचार्य डॉ. राम कंवर सैनी, प्राचार्या नीलम सैनी सहित अन्य उपस्थित रहे।

महम। दसवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी व उसके परिजनों को मिठाई खिलाते श्री राम स्कूल के शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर खुशी मनाते वैश्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

वैश्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

रोहतक। वैश्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ने एक बार फिर उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन की मिसाल कायम की है। विद्यालय का 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। इस वर्ष कुल 63 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय स्तर पर दीपिका ने 471 अंक (94.2प्रतिशत) प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर दिव्या रहीं, जिन्होंने 464 अंक (93प्रतिशत) प्राप्त किए, वहीं अंजली ने 463 अंक (92.6प्रतिशत) प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। इस शानदार उपलब्धि पर वैश्य एजुकेशन सोसायटी के महासचिव राजेंद्र बंसल, कोषाध्यक्ष डॉ. चंद्र गर्ग, गवर्निंग बॉडी सदस्य ईश्वर चंद्र गुप्ता, नितिन तायल एवं विकास बंसल ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को हार्दिक बधाई दी। विद्यालय के प्राचार्य प्रवीण बंसल एवं फेस-2 की प्राचार्या अनीता गुप्ता ने विद्यार्थियों की इस सफलता पर मिठाई बांट कर खुशी व्यक्त की। बंसल ने विद्यालय स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों का यह प्रयास विद्यालय और अभिभावकों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने भविष्य में भी इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करने की कामना की। इस अवसर पर अन्नू गर्ग, योजना जैन, सीमा शर्मा, बबीता, प्रमोद कौशिक, अमन गोयल सहित अनेक शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

दिल्ली बाइपास, छोटूराम चौक, पुराना बस स्टैंड पर निगम ने चलाया सफाई अभियान

रोहतक। नगर निगम द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए शनिवार को मुख्य मार्गों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान की निगरानी स्वयं नगर निगम की संयुक्त आयुक्त नमिता कुमारी ने की। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत शीला बाईपास से दिल्ली बाईपास, छोटूराम चौक, पुराना बस स्टैंड से छोटूराम चौक, झज्जर रोड, झज्जर चुंगी से अशोका चौक, रूपया चौक, दिल्ली रोड, कच्चा बेरी रोड और सुखपुरा चौक जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सफाई कार्य किया गया है।

- आयुक्त के आदेश पर शुरू किया गया है विशेष सफाई अभियान

संयुक्त आयुक्त ने बताया कि सुबह से ही निगम की टीमें सफाई कार्य में जुट गई थीं। यह अभियान मुख्य सफाई निरीक्षक की अध्यक्षता में तथा सहायक सफाई निरीक्षकों की निगरानी में संचालित हुआ। सफाई अभियान की निरंतर निगरानी की जा रही है और मौके पर पहुंचकर कई स्थानों का निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य सफाई निरीक्षक को निर्देश दिए गए कि वह अपने-अपने वार्डों में सफाई व्यवस्था की निरंतर निगरानी करते रहें और स्वच्छता सुनिश्चित करें। निरीक्षण के समय मुख्य सफाई निरीक्षक सचिन, सफाई निरीक्षक रमेश कुमार, सहायक सफाई निरीक्षक नरेन्द्र, परमजीत, सुमित फौगाट, संदीप राठी, कृष्ण लाल और सुशील कुमार भी उपस्थित रहे।

रोहतक। सफाई करते हुए कर्मचारी।

रोहतक। सफाई निरीक्षण करती नगर निगम की संयुक्त आयुक्त नमिता कुमारी

सही राम स्कूल की दीक्षा ने प्रदेश में पाया दूसरा स्थान

महम। हरियाणा विद्यालय द्वारा घोषित किए गए दसवीं कक्षा के वार्षिक परीक्षा परिणाम में सहीराम स्कूल की मेधावी छात्रा दीक्षा ने 500 में से 496 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। स्कूल निदेशक डॉ. प्रदीप भारद्वाज ने बताया कि दीक्षा ने पूरे हरियाणा में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। दीक्षा के अलावा इस स्कूल की शिक्षा ने 97.2 प्रतिशत अंक लिए हैं। वहीं छात्रा मीनू ने 97 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। 8 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। वहीं 15 विद्यार्थियों ने 85 से 90 प्रतिशत तक अंक लिए हैं। इस उपलब्धि पर स्कूल डायरेक्टर डॉ. प्रदीप भारद्वाज, वीरमति बामल, वीरेंद्र बामल व प्राचार्या शीला दूहन ने विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। बेटी दीक्षा ने अपने गुरुजनो के आशीर्वाद व अपनी अथक परिश्रम, लगन व आत्मविश्वास से वह मुकाम हासिल कर लिया, जिससे उसका, उसके माता-पिता का व स्कूल का नाम गर्व से ऊंचा हो गया। इस अवसर पर स्कूल के समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

श्री राम स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम रहा शानदार

महम। श्री राम सेकेंडरी स्कूल ने एक बार फिर से अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता और अनुशासन का प्रमाण देते हुए दसवीं बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित किए गए दसवीं के नतीजों में इस विद्यालय के छात्र राघव ने 491 अंक लेकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसी क्रम में मुस्कान ने 475 अंक लेकर विद्यालय में दूसरा एवं लवण्या तथा अंजलि ने संयुक्त रूप से 473 अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं 16 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। कुल 32 छात्रों में से 28 छात्रों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करके मेरिट में अपना नाम दर्ज करवाया है। विद्यालय के निदेशक रमेश गिरधर एवं प्राचार्या कनिका गिरधर ने शानदार परिणाम आने पर बच्चों एवं अभिभावकों को मिठाई खिलाकर बधाई दी है।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

PRIME SCHOOL UNIFORMS
Mfrs & Traders: All Types of School Uniforms, T-Shirts, Lower & Track Suits etc.
Deals in All Kind of School Bag, School Shoes & Stationary Items
Shoes 20% off
VIPIN KUMAR M. 9812587499
All School Dress also available
▸All Vaish School ▸Vedanta School ▸Shiksha Bharti ▸Scholar Rosary ▸St. Pall School ▸ZAD Global School ▸Model School ▸Shivalik School ▸DAV School ▸MRGS School ▸Baba Mast Nath School ▸GD Royal School
802/12, Arya Nagar, Opp. Vedic Ashram, Near HUDA Complex, Rohtak | Ph.: 01262-258299

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
BAMS 6
PRO 5
RMO 5
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 18 मई 2025

तापमान

अधिकतम 44.5 डिग्री
न्यूनतम 21.5 डिग्री

10 सीबीएसई परीक्षा परिणाम में आईबी स्कूल के ...

10 बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में विज्ञान, नवाचार ...

शहर में आज

- पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा अपने निवास डी पार्क में प्रेसवार्ता करेंगे।
- जैन स्थानक, जनता कॉलोनी में प्रज्ञा महर्षि पंडित रत्न शास्त्री उपेंद्र मुनि महाराज के 62वें जन्मदिवस पर धर्म ध्यान, प्रवचन एवं रक्तदान शिविर 8:00 बजे से 10:30 बजे तक

खबर संक्षेप

डॉ. मिड्ढा डायलिसिस सेंटर का आज करेंगे उद्घाटन

रोहतक। हरियाणा विस के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा 18 मई रविवार को डीएलएफ कॉलोनी स्थित बाबा बंदा सिंह बहादुर चैरिटेबल परिसर में डायलिसिस सेंटर का उद्घाटन करेंगे।

बिजली, पानी, अतिक्रमण व रिहायशी कॉलोनी में फैक्ट्री होने समेत अन्य शिकायतें रखी जाएंगी

कल होने वाली परिवेदना समिति की बैठक में 6 पुरानी व 7 नई शिकायतों की होगी सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

19 मई को जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक का आयोजन किया जाएगा। जिसकी अध्यक्षता प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार करेंगे। समिति की मासिक बैठक 19 मई को सुबह 10 बजे स्थानीय जिला विकास भवन स्थित सभागार में होगी। बैठक के एजेंडे में 13 शिकायतें शामिल की गई हैं। विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार बैठक के एजेंडे में शामिल शिकायतों की सुनवाई के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन शिकायतों के निपटारे बारे आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। मीटिंग में जिला उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। पंचायत मंत्री पहले के मामलों में की गई सुनवाई का भी फीडबैक लेंगे।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार।

ओमेक्स ने राशि जमा करवाई

21 अप्रैल को हुई बैठक में सुनवाई के दौरान कार्रवाई होने पर ओमेक्स ने कुछ राशी निगम को सौंपी है। लेकिन अभी तक पूरी राशी निगम को नहीं सौंपी गई है। राशी पूरी मिलने व बैंक गारंटी के रूप में मिलने वाली राशी के बाद ही ओमेक्स सिटी में इनडीविडयूल मीटर लगाए जा सकेंगे। वहीं निगम द्वारा तैयार किया जा रहा 33 केवी सब स्टेशन के लिए लगभग पांच करोड़ रुपये की राशी ओमेक्स को निगम को जमा करवानी पड़ेगी। यह एजेंडे की पहली ही शिकायत है। वहीं दूसरी शिकायत में रिठाल गांव की 33 फीट चौड़ी फिरनी में हुए अतिक्रमण को हटवाने को लेकर रहेगी। तीसरी शिकायत रोहतक डीटीपी के खिलाफ धोखाधड़ी व नक्शा पास और आक्यूपेशन सर्टिफिकेट जारी करने बारे रहेगी। चौथी शिकायत कमला नगर रिहायशी इलाकें में फैक्ट्री को हटवाने के लिए नगर के लोग पेश होंगे। पांचवी शिकायत कलानौर के गुढाण गांव में खेतों के कच्चे रास्ते ठेकेदार द्वारा खराब ईटों व मेटिरियल से बनाया जा रहा है। जिसके चलते संबंधित विभाग को मौके पर भेजकर वहां ही जांच करवाई जाए। ताकि सामग्री अच्छी गुणवत्ता की लगवाई जहा सकें।

यह रहेंगी नई शिकायतें

छठी शिकायत महम नगर पालिका से संबंधित श्रीराम धर्मशाला की संपत्ति बेईमानी व धोखाधड़ी कर नाम करने बारे रहेगी। लेकिन इस मामले में कोर्ट में केस विचाराधीन है। जिसके चलते इसकी सुनवाई नहीं भी की जा सकती है। सातवीं शिकायत खेड़ी साध गांव की बिजली की लाइन आईएमटी से जोड़ने बारे रहेगी। इसमें गांव के लोग निगम को शिकायत भी कर चुके है। आंठवी शिकायत गिरावड़ गांव में पानी का कनेक्शन बार-बार काटने बारें रहेगी। नौंवी शिकायत गांव चिड़ी में जमीन यानी खेवट को एक करने बारे रहेगी। फिलहाल यह अलग-अलग है। दसवीं शिकायत पारस मोहल्ला, बड़ा बाजार में अतिक्रमण को हटवाने बारे रहेगी। ग्यारवीं शिकायत वार्ड-11 खेड़ी साध गांव में पानी की पाइपलाइन में बार-बार हो रही लीकेज को ठीक करवाने के लिए रहेगी। बारहवीं शिकायत माडोदी रांगडान में अवैध कब्जा व चौपाल के बीचों-बीच से रास्ता बंद करवाने को लेकर रहेगी। वहीं आखरी शिकायत प्रोप्रटी आईडी ठीक करवाने बारे रहेगी।

आरोपी को कानपुर की पुलिस को सौंपा

करोड़ों की निकिल चुराने वाला 50 हजार का इनामी गिरफ्तार

- आरोपी के पास से 50 किलो निकिल बरामद हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

कानपुर से करोड़ों रुपये की निकिल चोरी करने वाले 50 हजार के ईनामी को सीआईए 1 की टीम ने गिरफ्तार किया। आरोपी को कानपुर की पुलिस को सौंप दिया गया है। इस वारदात में हरियाणा के कई आरोपी शामिल रहे हैं जिनकी धरपकड़ चल रही है। सीआईए-वन के प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि 16 मार्च 2025 की रात को लाजिस्टिक पार्क कानपुर नगर में कन्टेनर में रखी 3 करोड 92 लाख की निकिल प्लेट चोरी कर ली गई। वारदात में शामिल रहे 5 आरोपियों पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया। सीआईए-1 की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुये वारदात में शामिल रहे 50 हजार रुपये इनामी मुख्य आरोपी रमेश उर्फ काला निवासी निवासी गांव भैणी महाराज पुर जिला रोहतक को काबू किया। आरोपी को कानपुर पुलिस के हवाले किया गया है। उसके पास से 50 किलो निकिल बरामद हुआ। इससे पहले कानपुर पुलिस ने निकिल बेचने के लिये जा रहे आरोपियों कृष्ण , राजकुमार , ईश्वर हिसार, विनय शुक्ला सोनिया विहार दिल्ली, सुमित को गिफ्तार कर चुकी है।

आरोपित पुलिस की गिरफ्त में।

मदीना गिंधराण गांव में पार्क के झूले तोड़े, दंपति के खिलाफ केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

पंचायती जमीन पर अवैध कब्जा करने की नीयत से एक दंपत्ति ने मदीना गिंधराण गांव में बनाए गए पार्क के झूले तोड़ दिए। इसकी शिकायत सरपंच अंजू शर्मा के पति राजा शर्मा ने बहु अकबरपुर थाने में दी है। पुलिस ने इस मामले में एक दंपत्ति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इससे पहले भी इस पार्क की दीवार तोड़ दी गई थी। इस मामले में भी आरोपित व्यक्ति के खिलाफ थाने में शिकायत दी गई थी। पुलिस को दी शिकायत में राजा शर्मा ने बताया कि अब ये झूले जयभगवान और उसकी पत्नी पिंकी ने तोड़े हैं। इस घटना से ग्रामीणों में गहरा रोष व्याप्त है। पंचायत ने ग्रामीणों की मांग पर लगभग 1.92 लाख रुपये की लागत से पार्क में छह बड़े झूले और तीन बेंच लगवाए थे, जिनका उद्घाटन 7 मई को हुआ था। सुबह ग्रामीणों को सूचना मिली कि पार्क में तोड़फोड़ हुई है। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि झूलों को उखाड़कर फेंक दिया गया है और उन्हें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। सरपंच प्रतिनिधि ने बताया कि इस घटना से पहले भी 26 मार्च को पार्क की दीवार तोड़ दी गई थी, जिसके संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी। इस घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे सुनील पंच ने बताया कि उन्होंने छिपकर घटना का एक वीडियो भी बनाया है, जिसमें जयभगवान पुत्र ओमनारायण और उनकी पत्नी पिंकी झूलों को तोड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। पिंकी पीजीआईएमएस रोहतक में कार्यरत हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो दोनों पति पत्नी वहां से भाग गए। ग्रामीणों का कहना है कि यह पार्क गांव के बच्चों और बुजुर्गों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान था, जहां वे आकर अपना समय बिताते थे। झूलों को तोड़ने से उन्हें काफी दुख पहुंचा है।

महम। मदीना गांव के पार्क में जमीन से उखाड़कर बाहर फेंके गए झूले।

महम: भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाली तिरंगा यात्रा, उमड़े हलके के लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

- भारतीय सेना के सम्मान में निकाली जा रही तिरंगा यात्रा

भाजपा कार्यकर्ताओं ने शनिवार को महम हलके में तिरंगा यात्रा निकाली। यह यात्रा आप्रेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना द्वारा दिखाए गए पराक्रम के उपलक्ष में निकाली गई। आपरेशन सिंदूर जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए कायरता पूर्ण आंतकी हमले की जवाबी कार्रवाई थी। भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से जो मजबूती से जवाब दिया गया उनके समर्थन में पूरे भारतवर्ष में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही हैं। इसी कड़ी में शनिवार विधानसभा महम में भी तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने किया। सांसद जांगड़ा ने कहा कि सिंदूर आपरेशन पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध नहीं बल्कि यह प्रधानमंत्री द्वारा अपनी बहनों के सिंदूर का प्रतिशोध था। महम में तिरंगा यात्रा सैमान चुंगी से लेकर मेन बाजार होते हुए भिवानी स्टैंड शहीद भगत सिंह चौक तक निकाली गई। तिरंगा यात्रा के दौरान भारत माता की जय के नारों के साथ पूरा महम गूंज उठा।

महम। कस्बा महम में तिरंगा यात्रा निकालते भाजपा कार्यकर्ता व यात्रा में शामिल सांसद रामचंद्र जांगड़ा।

खबर संक्षेप

शिवा हाई स्कूल में जीया स्कूल में रही टॉपर

सांपला। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड में शनिवार को दसवीं का परिणाम जारी कर दिया। कस्बे के शिवा हाई स्कूल की छात्रा जिया 92 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में टॉपर रही। जबकि राखी व निलेश भी मैरिट में रहे। स्कूल डायरेक्टर कृष्ण कुमार ने बताया कि 10 अन्य विधार्थियों ने 80 प्रतिशत अंक लेकर मैरिट में जगह बनाई है। विद्यार्थियों की सफलता पर स्कूल स्टाफ ने सभी विधार्थियों को बधाई दी और खुशी मनाई गई।

सार्वजनिक शौचालय बनवाने की मांग

महम। महम के गोहाना मोड़ पर स्थित क्रांति चौक पर कोई सार्वजनिक शौचालय नहीं है। इस चौक पर सुबह से शाम तक हजारों यात्री बसों का इंतजार करने के लिए खड़े होते हैं। यहां पर गोहाना भिवानी, खेड़ी महम, निंदाना, हांसी, हिसार, रोहतक, बेरी व गुरुग्राम जाने वाले यात्री वाहनों का इंतजार करने के लिए खड़े रहते हैं। तहसील, कॉलेज, आईटीआई, कोर्ट, अनाज मंडी, बिजली घर और अन्य सरकारी दफ्तरों में जाने वाले यात्री भी यहीं से आते जाते हैं। शहर के कई बैंकों की शाखाएं भी यहीं पर हैं। वाहनों की मरम्मत करने वाले मिस्त्री और स्पेयर पार्ट्स विक्रेताओं की दुकानें भी यहीं पर हैं। शहर का अत्यधिक व्यस्त चौक व मार्ग होने के बावजूद भी यहां पर कोई सार्वजनिक शौचालय नहीं है। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सत्यवीर भराण व अनिल नहरा ने प्रशासन से यहां पर सार्वजनिक शौचालय बनाए जाने की मांग की है। व्यापार मंडल महम के प्रधान जोगिंद्र गिरोत्रा ने भी पब्लिक टॉयलेट बनाने की मांग की।

पत्रकारों को सत्यनिष्ठा से काम करना चाहिए : डॉ. नवीन कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

- राष्ट्रीय सशक्तिकरण में पत्रकार की सजीव भूमिका

विश्व संवाद केंद्र, रोहतक इकाई ने आदि पत्रकार देवर्षि नारद जयंती के उपलक्ष में राष्ट्रीय सशक्तिकरण में पत्रकारिता की भूमिका विषय पर पत्रकार गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम की भूमिका बांधते हुए वरिष्ठ विचारक सुशील कुमार ने कहा कि नारद जी ने आदि पत्रकार के रूप में अनेक आयाम स्थापित किए हैं और निर्भीक होकर पत्रकारिता करने की प्रेरणा दी। आज के समय और समाज की जरूरत है कि पत्रकार सत्य, साहस सकारात्मकता और सुचिता से पत्रकारिता करें। पत्रकारों ने अपनी कलम से हमेशा सच को लिखा है।

ऑप्रेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि आज हिंदुस्तान पड़ोसी देश के आतंकवाद की वजह से चुनौती के दौर से गुजर रहा है। पिछले दिनों भारत में युद्ध सरीखे हालात में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित किए जा रहे समाचारों की विवेचना की। विशिष्ट अतिथि गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ जयपाल शर्मा ने कहा कि पत्रकारों को फील्ड में समस्याए होती हैं, जरूरत है बस निडरता से उसका सामना करने की और सभी समस्याएं समाज ही मिलकर हल कर सकता है जिसकी सबको विवेचना करने की जरूरत है।

नारद मुनी से प्रेरणा लें

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. नवीन कुमार ने कहा कि पत्रकारों को सत्यनिष्ठा से काम करना चाहिए और नारद मुनी से प्रेरणा लेते हुए सिर्फ हां में हां नहीं मिलानी चाहिए बल्कि गलत होने पर सुझाव भी देना चाहिए। पत्रकारों को पढ़ना भी बहुत जरूरी है और सकारात्मकता के साथ पत्रकारिता करनी चाहिए। वर्तमान समय में बदलते पत्रकारिता के स्वरूप की चर्चा। उन्होंने कहावत कहते हुए कहा कि पांचों उंगलियां एक जैसी नहीं होती इसी प्रकार मीडिया के क्षेत्र में कुछ ऐसे पत्रकार भी हैं जो पत्रकारिता की आड़ में समाज को गलत दिशा की तरफ भी ले जाते हैं। इन गिने चुने चंद स्वार्थी पत्रकारों की वजह से कई बार मीडिया की छवि धूमिल होती है। उन्होंने पत्रकारों से अनुरोध किया कि ऐसे स्वार्थी पत्रकारों को खोज कर उन्हें इस क्षेत्र से बाहर करने की जरूरत है।

रोहतक। कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभांरभ करते मुख्यातिथि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. नवीन कुमार, मुख्य वक्ता संसद टीवी के एंकर रामवीर , प्राचार्य डॉ जयपाल शर्मा और डीपीआरओ संजीव सैनी। फोटो : हरिभूमि

इंसान को काम ही महान बनाता है: रामवीर

रोहतक जिला के जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी संजीव सैनी ने पत्रकारों के संदर्भ में सरकार की नीतियों के बारे में बताया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संसद टीवी के एंकर रामवीर ने वक्तव्य में आगे कहा कि कश्तियां चली जाती है तूफान रह जाते है, शख्सियतें चली जाती है काम रह जाते है जो बताता है कि इंसान को काम ही महान बनाता है, ये सीख नारद जी अपने कामों से दी और कहा कि आदि शब्द की उत्पति ही भारत में हुई है। इस अवसर पर मंच संचालन अर्जुन गुप्ता ने किया। धन्यवाद ज्ञापन में महेश तंवर ने उपस्थित व्यक्तियों का धन्यवाद किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर रोहतक जिला के विभिन्न समाचार पत्रों के पत्रकारों के अलावा विश्व संवाद केंद्र से ईश्वर कौशिक, मनोज,

पंचायती राज संस्थाओं के उपचुनाव की अधिसूचना जारी

प्रदेशभर में एक ही चरण में होंगे चुनाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

- मतदान समाप्ति के तुरंत बाद मतगणना होगी और उसी दिन परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।
- 24 से 30 मई तक नामांकन लिए जाएंगे: उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह

जिला निर्वाच अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि हरियाणा राज्य चुनाव आयोग ने पंचायती राज संस्थाओं में उपचुनावों की घोषणा कर दी है। आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार 15 जून 2025 को पूरे प्रदेश में एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा। मतदान समाप्ति के तुरंत बाद मतगणना होगी और उसी दिन परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

इसके साथ ही उन सभी क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है, जहां चुनाव कराए जाएंगे। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि 24 से 30 मई तक नामांकन किए जाएंगे, जबकि 25 और 29 मई की छुट्टी रहेगी। वहीं नामांकन का समय सुबह 10 बजे से दोपहर के 3 बजे तक तय किया गया है। वहीं 31 मई को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 2 जून रहेगी और दोपहर बाद चुनाव चिन्ह आबंटित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 15 जून को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान प्रक्रिया होगी। इसके बाद शाम को मतगणना होगी और नतीजे घोषित किए जाएंगे।

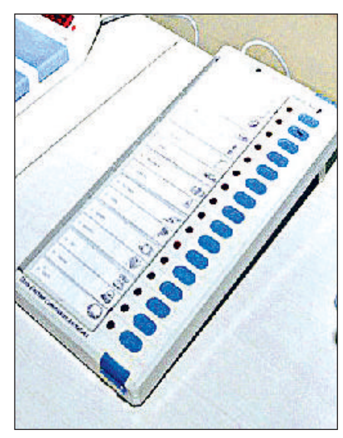

अटायल और बनियानी में सरपंच पद का चुनाव होगा

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि जिले के सांपला खंड के गांव अटायल व कलानौर खंड के गांव बनियानी में सरपंच पद के लिए उप चुनाव होगा तथा जिला की विभिन्न ग्राम पंचायतों के विभिन्न वार्डों के लिए पंच पदों के लिए उप चुनाव होगा। उन्होंने बताया कि जिला के लाखनमाजरा खंड के ग्राम पंचायत इंद्रगढ के वार्ड नंबर 9 के पंच, ग्राम पंचायत लाखनमाजरा की वार्ड नंबर 18 तथा ग्राम पंचायत सुंदरपुर की वार्ड नंबर एक, रोहतक खंड के ग्राम पंचायत काहनी साढे सात वार्ड संख्या 6, ग्राम पंचायत मुंगाण की वार्ड संख्या एक, ग्राम पंचायत मकडौली कलां के वार्ड संख्या 15, ग्राम पंचायत कंसाला की वार्ड 5 व 10, ग्राम पंचायत आसन की वार्ड संख्या 5, 8 व 9, ग्राम पंचायत घुसकानी की वार्ड संख्या 6, ग्राम पंचायत खिड़वाली की वार्ड संख्या 13, ग्राम पंचायत सिंहपुरा खुर्द की वार्ड संख्या 5 तथा ग्राम पंचायत सांघी की वार्ड संख्या 16, सांपला खंड के ग्राम पंचायत इस्माइला 9बी की वार्ड संख्या 13, ग्राम पंचायत मोरखेड़ी की वार्ड संख्या 11 तथा महम खंड की ग्राम पंचायत अजायब की वार्ड संख्या 13, ग्राम पंचायत अजायब खास की वार्ड संख्या 4 व 5, ग्राम पंचायत निंढाना खास की वार्ड संख्या 7 व ग्राम पंचायत सीसर खास की वार्ड संख्या 5 के लिए पंच पदों के लिए चुनाव होंगे।

30 लोगों ने रक्तदान किया प्रशंसा पत्र से किया सम्मानित

रोहतक। देश भक्ति स्मारक स्थल अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्र देवो भवः मिशन के संस्थापक संत बाबा सुखा शाह ने बताया कि शिविर में 30 लोगों ने रक्तदान किया। संत बाबा सुखा शाह ने रक्तदाताओं को बैच तथा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. रवि रंगा, नरेश आनंद, सुभाष सिक्का, पंकज कपूर, राजेश, डॉ. लतेश, डॉ. तिलक, देवराज हुड्डा, राजेंदर मनचंदा आदि मौजूद रहे।

कर्मचारियों को कैशलेस मेडिकल सुविधा उपलब्ध करवाने की मांग

महम। विश्राम गृह में हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मकैनिकल वर्कर्स यूनियन की पीडब्ल्यूडी बी एंड आर हाइवे की मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग का संचालन चैयरमैन नत्थू राम ने किया। बैठक की अध्यक्षता जगदीश फौजी ने की। यूनियन सदस्यों ने यूनियन की मजबूती व एकता बनाए रखने का आह्वान किया, ताकि किसी कर्मचारी को दिक्कत का सामना न करना पड़े। वक्ताओं ने कर्मचारियों को मेडिकल कैशलैस सुविधा दिए जाने की मांग की।

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में कैरम प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कान्वेंट में अंतर सदन अंर्तकक्षा कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा तीसरी से आठवीं तक के छात्रों ने भाग लिया। कक्षा तीसरी यूनिटी सदन से श्रेयांश, विहान प्रथम, पीस सदन से वंश, रचित द्वितीय, प्रोग्रेस सदन से जसनूर, दशिता और इक्वलिटी सदन से निशांत, भावेश तृतीय स्थान पर रहे।

कक्षा चौथी यूनिटी सदन से निशिता, यशिका प्रथम, पीस सदन से अयान, अयांश द्वितीय, प्रोग्रेस सदन से तनवी, अवनी ने तीसरा स्थान हासिल किया। कक्षा पांचवी प्रोग्रेस सदन से ध्रुवा, काव्या प्रथम, यूनिटी सदन से हिरेन, रेहान द्वितीय और पीस सदन से अनिक, रेयान ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं कक्षा आठवीं इक्वलिटी सदन से साहिल, शिवम प्रथम, पीस सदन से वंश, अंश द्वितीय और प्रोग्रेस सदन से दक्ष, प्रिंस ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्रधानाचार्या डॉ ममता मलिक ने कहा कि प्रतियोगिता न केवल मनोरंजन का साधन है बल्कि बच्चों के कौशल, एकाग्रता और निर्णय लेने की क्षमता को निखारने का एक अद्भुत अवसर है। खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो बच्चों को अनुशासन, धैर्य और परिश्रम का पाठ सीखाते हैं इस अवसर पर उपप्राचार्या मशेंका, संदीप राठी, कृष्णा गिल, रेखा, विन्नी, रितु खुराना, सीमा शर्मा, दीपमाला आदि उपस्थित रहे।

वैश्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन में विदाई समारोह

रोहतक। वैश्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बीएड प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने बीएड द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को विदाई पार्टी दी। इस मौके पर सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन हुआ। जनरल सेक्रेटरी राजेंद्र बंसल ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान विभिन्न प्रकार के फनी गेम, क्विज, म्यूजिकल चेयर व अनेक गतिविधियां करवाई गई। सभी ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। प्राचार्या डॉक्टर तरुणा मल्होत्रा ने गीत आती रहेंगी बहारें जाती रहेंगी बहारें द्वारा सभी विद्यार्थियों को प्रेरित किया। द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने अपने अनुभव सांझा किए। बीएड द्वितीय वर्ष में मिस्टर पर्सनालिटी मोहित, सिद्धार्थ, मिस पर्सनैलिटी सिद्धि, मिस ब्यूटीफुल अंजलि, मिस फेयरवेल निपुण, मिस्टर फेयरवेल अश्विनी, मिस्टर हैंडसम विकास रहे।

ऑप्रेशन सिंदूर में शोर्यगाथा उत्सव पर साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन

रोहतक। स्त्री शक्ति संगठन द्वारा सेक्टर 14 रोहतक में ऑप्रेशन सिंदूर में शोर्यगाथा उत्सव पर साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्यअतिथि पूर्व सैनिक सतीश सुमित्रा कौशिक रहे। जबकि कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन समाजसेवी जे.पी. गौड़ ने किया। सभी विचारकों ने अपने उद्बोदन में राष्ट्र के प्रति सजगता प्रगट की। मुख्यातिथ ने अपने विचारों में द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी रचित रचना की पंक्तियों ने से 'वीर तुम बढ़े चलो-धीर तुम बढ़े चलो' के माध्यम से बताया कि अगर सामने रूपी बाधा रहे और सिंह दहाड़ कर डराने का प्रयास करे फिर भी हमें डरना नहीं चाहिए। आज की काव्य सभा में कवयित्री डॉ. कंचन मखीजा ने अपनी पुस्तक स्त्रीशक्ति मुख्यअतिथि को भेंट की।

साहित्यिक चेतना यात्रा आज सिरसा जाएगी

रोहतक। हरियाणवीं साहित्य कला और संस्कृति को समर्पित रोहतक की साहित्यिक संस्थाएं कला और संस्कृति का प्रचार प्रसार करते हुए और हरियाणवी भाषा को राज्य का दर्जा मिले सम्मान मिले इसके लिए 18 मई को सुबह 6 बजे रेडक्रॉस भवन से पूरी टीम के साथ रवाना होंगे और साहित्यिक चेतना यात्रा के रूप में आम जन को हरियाणवी बोली, हरियाणवी भाषा, के बारे में जागरूक करते हुए सिरसा पहुंचेंगे। डॉ. रमा कांता ने बताया कि सिरसा और राज्य से बाहर के साहित्यिक संस्थाओं से जुड़े लोग साहित्यकार कलाकार शामिल होंगे ।

योग को दिनचर्या में करें शामिल:राजेश जैन

रोहतक। एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन के पिता स्व. सेठ बिमल प्रसाद जैन की याद में दुर्गा भवन मंदिर में निशुल्क योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को डॉ. वीके चावला मुख्य अतिथि रहे। योग गुरु सरदार हवा सिंह सैनी ने सभी को योगाभ्यास करवाया। उन्होंने कहा कि कहा कि घनूर प्राणायाम कमर दर्द के रोगियों के लिए बहुत लाभकारी है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति कमर दर्द से परेशान है, उसे इस प्राणायाम को प्रतिदिन जरूर करना चाहिए। सैनी ने कहा कि नियमित रूप से योग करने से शुगर, ब्लडप्रैशर, हृदय रोग, जोड़ों का दर्द, सरवाईकल, बवासीर, कमर दर्द आदि बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। उन्होंने साधकों को कपाल भाति, अनुलोम-विलोम, कापोली, पवन मुक्त आसन, भस्त्रिका आदि प्राणायाम का अभ्यास करवाया। शिविर का समापन 22 मई को होगा। इस अवसर पर योग गुरु ईश्वर अग्रवाल, श्याम लाल शर्मा, कृष्ण लाल बजाज, गुरमीत सैनी, सुदेश गांधी, सुभाष शर्मा आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

INDUS PUBLIC SCHOOL
Indus Public School
Delhi Road,Rohtak(Affiliated to CBSE; affiliation No. 530439)
2025-26
ADMISSION NOTICE
COMMERCE HUMANITIES SCIENCE
Limited Seats
REGISTRATION OPEN FOR PROVISIONAL ADMISSION TO CLASS XI
Science
Core Subjects
• Physics
• Chemistry
• Mathematics
• Biology
• English(mandatory)
Commerce
Core Subjects
• Accountancy
• Business Studies
• Economics
• English(mandatory)
Humanities
Core Subjects
• History
• Geography
• Political Science
• Psychology
• Sociology
• Hindi
Optional /Additional subject in all streams
• Physical Education
• Computer Science
• Fine Arts
• Music
• Painting
In addition to the core subjects, students across different streams (Science, Commerce, and Humanities) have the option to choose additional subjects based on their interests, career goals, and academic preferences.
Scholarship for Academic Achievers
Why Choose us??
1. Academic Excellence
2. Experienced and Caring Faculty
3. Diverse and Inclusive Environment
4. Extracurricular Opportunities
5. State-of-the-Art Facilities
6. Focus on Holistic Development
7. Strong Community and Parent Involvement
8. Proven Success in competitive Exams
9. Personalized Attention
10. Safety and Well-Being
9992900573 || 9992900574
ipsrtk@gmail.com
SENIOR WING-DELHI ROAD ,ROHTAK ,HARYANA
JUNIOR WING- 96-A MODEL TOWN (SUBHASH NAGAR,ROHTAK)
https://www.ipsrohtak.edu.in

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 18 मई 2025

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

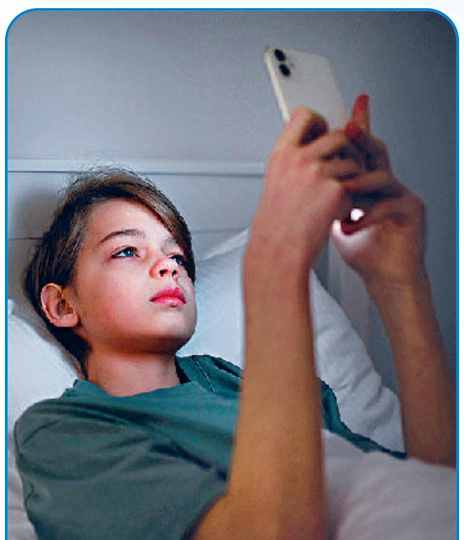

कुछ समय पहले वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने डिजिटल डिवाइसेस की लत को दुनिया भर में एक चिंताजनक समस्या बताया है। हर उम्र के लोग इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं। इससे न केवल उनकी शारीरिक-मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है, लोग अनिद्रा के भी शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम इस लत की गंभीरता को समझें और इससे बचने के लिए हर संभव प्रयास करें।

डिजिटल डिवाइसेस की लत

उड़ रही नींद-बिगड़ रही सेहत

हाल में फ्रंटियर्स इन साइकिएट्री जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार बिस्तर पर जाने के बाद एक घंटे तक स्क्रीन देखते हुए बिताने से अनिद्रा के लक्षण 59 प्रतिशत तक बढ़ जाने की संभावना होती है। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट के साथ समय बिताने से नींद का टाइम पीरियड भी 24 मिनट कम हो सकता है। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि चाहे सोशल मीडिया पर समय बिताएं, रील्स देखें या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर किसी तरह का कंटेंट देखा जाए, सोने से पहले स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी में बिताया जाने वाला समय ही मायने रखता है। माध्यम कोई भी हो, स्क्रीन टाइम अब लोगों की नींद को डिस्टर्ब करने वाली बड़ी वजह बन रहा है।

नींद पर पड़ रहा बुरा असर

रात के समय लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ने की कई वजहे हैं। इनमें से एक वजह यह है कि दिन भर घर-दफ्तर की भाग-दौड़ के बाद रात को आराम का समय मिलने पर अधिकतर लोग स्क्रीन में ही झांकते रहते हैं। मेल, मैसेज या दूसरी जानकारियां देखने के साथ ही रात को सोने से पहले बहुत सा समय सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग, रील्स और अलग-अलग तरह का कंटेंट देखने में भी लोग यूज करते हैं। स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट जैसे डिजिटल डिवाइस अब बेडरूम में भी यूज किए जाते हैं। जिसके चलते कमोबेश हर उम्र के लोगों के सोने के समय का कुछ हिस्सा स्मार्ट डिवाइसेस के नाम हो गया है। हालिया अध्ययन कहता है कि स्क्रीन टाइम जितना ज्यादा होता है, नींद उतनी ही ज्यादा प्रभावित होती है।

दूरी बनाना है जरूरी

उक्त शोध के अध्ययनकर्ताओं और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सोने से कम से कम एक घंटे पहले मोबाइल या अन्य किसी डिजिटल उपकरण का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। असल में अच्छी नींद के लिए मन-मस्तिष्क का शांत रहना आवश्यक है। सोने से पहले देखा गया कंटेंट कई बार मानसिक उद्वेलन का भी कारण बनता है। इतना ही नहीं स्क्रीन स्क्रॉलिंग के कारण हुई आंखों और दिमाग की थकान भी ठीक से नींद आने में बाधा बनती है। समझना जरूरी है कि नींद चुराने वाली यह जीवनशैली सोने-जागने का पूरा पैटर्न ही बिगाड़ रही है। यही वजह है कि नॉर्वे के वैज्ञानिकों द्वारा 45,202 वयस्कों पर किए गए सर्वे के नतीजों को गंभीरता से लेना जरूरी है। बिस्तर पर जाने के बाद मोबाइल के यूज से अनिद्रा के जोखिम यानी इनसोमनिया से बचने के लिए स्क्रीन से दूरी बनाने के नियम बनाना और गंभीरता से उनका पालन करना बेहद जरूरी है।

हेल्थ भी होती है प्रभावित

स्मार्ट स्क्रीन की ब्लू लाइट से नींद की गुणवत्ता तो खराब होती ही है, दिनचर्या भी बिगड़ जाती है। ठीक से आराम न मिल पाने के कारण डेली रूटीन ही नहीं, दिलो-दिमाग भी अस्त-व्यस्त रहते हैं। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के हर पहलू पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। हर दिन सोने के समय में होने वाली यह अनचाही कटौती बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन जाती है। ये कंडीशंस हार्ट प्रॉब्लम्स, डायबिटीज, मोटापा, डिप्रेशन और उच्च रक्तचाप जैसी कई परेशानियों को बढ़ाती हैं। थका हुआ शरीर और उलझा सा मन जीवन से जुड़ी दूसरी जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी बाधा बनता है। गैजेट्स की लत लग जाने के बाद स्क्रीन से दूरी मन में हताशा, असमंजस और बेचैनी भर देती है। वहीं नींद की कमी से बनी इस मनःस्थिति से या तो बार-बार कुछ खाते रहने की आदत लग जाती है या भूख कम हो जाती है।

किशोरों और युवाओं में तो नींद की कमी हार्मोन असंतुलन की बड़ी वजह बनती है, जिससे कम उम्र में ही ओबेसिटी की संभावना बढ़ जाती है। सही ढंग से आराम न मिलने और सुकून की नींद लेने के समय भी स्क्रीन पर कंटेंट देखते रहने से याददाश्त भी कमजोर होती है। किसी भी काम में फोकस करने की क्षमता घटती है। उलझे-बिखरे से रूटीन में क्रोध, स्ट्रेस और अजीबो-गरीब ढंग से मूड का बदलना परेशानियों को बढ़ाता जाता है। ध्यान रहे कि सोने के समय की अवधि और गहरी नींद शरीर के लिए स्वयं अपनी संभाल-देखभाल करने का समय होता है। हमारी बॉडी खुद को रिपेयर करती है। अगले दिन की भाग-दौड़ के लिए मन-मस्तिष्क और शरीर तैयार होते हैं। सुकून से और सही समय तक सोना हमारी इम्यूनिटी को बढ़ाता है। ऐसे में अपनी सेहत बचाने और दिनचर्या साधने के लिए सोते समय स्मार्ट गैजेट्स से दूरी बना लेना ही सही है। अगले दिन की स्फूर्ति भरी शुरुआत के लिए सोने के पहले का टाइम अपनों से संवाद, किताब पढ़ने या मेडिटेशन में लगाएं। दिन में भी जब समय मिले स्मार्टफोन और लैपटॉप में बिजी रहने के बजाय योगाभ्यास करना फायदेमंद होता है।

डब्ल्यूएचओ ने किया आगाह

डब्ल्यूएचओ ने भी डिजिटल एडिक्शन से पूरी दुनिया के लोगों को आगाह किया है, क्योंकि हद से ज्यादा ऑनलाइन एक्टिविटीज और इंटरनेट का उपयोग दिन में टाइम मैनेजमेंट, ऊर्जा को सही दिशा देने और फोकस्ड रहने में असमर्थता और रात में नींद का पैटर्न बिगाड़ने या इनसोमनिया पैदा करने का कारण बनता है। ऐसे में जरूरी है कि डिजिटल होती जीवनशैली में तकनीक से मिली सुविधाएं अनुशासित होकर इस्तेमाल की जाएं। मनोरंजन, सूचनाएं, शिक्षा, काम-काज या सोशल मीडिया मंचों पर मौजूदगी, हर मामले में स्क्रीन की दुनिया से जुड़ते हुए संतुलन साधा जाए। तकनीक से घिरी आज की जिंदगी में कम से कम अपने बेडरूम को स्क्रीन-फ्री जोन जरूर बनाएं। याद रहे कि अपने लिए यह सीमा हमें खुद ही तय करनी है। *

खुद करें हैबिट कंट्रोल

आवश्यकता से अधिक इस्तेमाल की गई कोई भी चीज नुकसानदेह ही होती है। तकनीक के मामले में भी यह बात लागू होती है। वर्चुअल व्यस्तता के इस दौर में स्क्रीन स्क्रॉलिंग को हैबिट बना लेने, डिजिटल डिवाइसेस पर हद से ज्यादा निर्भर हो जाने के कई खामियाजे भुगतने पड़ते हैं। खासतौर पर नींद की कमी की वजह से मेंटल और फिजिकल हेल्थ को बहुत नुकसान होता है। इस हैबिट की वजह से हर उम्र के लोगों में शारीरिक व्याधियां और मनोवैज्ञानिक समस्याएं देखने को मिल रही हैं। वयस्क लोग तमाम व्याधियों के शिकार हो रहे हैं तो बच्चे भी ऑनलाइन गेम्स के जाल में फंस रहे हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अनिद्रा और बेचैनी लोगों के मन-मस्तिष्क को घेर रही है। यूके के फीलगुड कॉन्टैक्ट के आंकड़ों के मुताबिक भारत में स्क्रीन टाइम की बढ़ोतरी और नजर की कमजोरी में भी गहरा संबंध देखा जा रहा है। आंखों की रोशनी कम होने और नजर खराब होने की शिकायत के मामले में भारत दुनिया की सूची में सबसे पहले स्थान पर है। करीब 27.5 करोड़ भारतीय यानी हमारी आबादी का करीब 23 प्रतिशत, बहुत ज्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से नजर की कमजोरी से जूझ रहा है।

सोशल मीडिया पर बढ़ रही

प्रोफाइल लॉकिंग की टेंडेंसी

कुछ समय पहले तक सोशल मीडिया को ओपन ग्लोबल डिजिटल प्लेटफॉर्म माना जाता था। लेकिन अब अनेक वजहों से लोगों में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। इस ट्रेंड के बढ़ने की क्या वजहें हैं? इस सोशल मीडिया ट्रेंड पर एक नजर।

टेक्नोट्रेंड

नरेंद्र शर्मा

आजकल सोशल मीडिया में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। पहले आमतौर पर महिलाएं ही अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखती थीं, लेकिन अब बहुत तेजी से यह प्रवृत्ति पुरुषों में भी बढ़ी है। सवाल है, एक ओपेन प्लेटफॉर्म के तौर पर जिस सोशल मीडिया का आगाज हुआ था, अचानक बीते एक-दो सालों में ऐसा क्या हुआ है कि जिसे देखो वही अपनी प्रोफाइल लॉक किए दे रहा है? सोशल मीडिया में प्राइवेसी को लेकर इस कदर सजगता बढ़ने की वजह क्या है? क्या यह कोई साइकोलॉजिकल सिंड्रोम है या कोई नई पैदा हुई ऐसी इमोशनल इनसिक्योरिटी है, जो अबके पहले इस स्तर पर नहीं थी?

वजहें हैं कई: अगर इस ट्रेंड पर गहराई से सोचें तो यह बिना किसी मकसद के घट रही घटना नहीं है बल्कि इसके पीछे कई किस्म के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और डिजिटल सुरक्षा से जुड़े कारण जिम्मेदार हैं। भले इसे साइकोलॉजिकल सिंड्रोम कहना सही न हो, लेकिन इस प्रवृत्ति में भावनात्मक असुरक्षा, प्राइवेसी की बढ़ती चिंता जैसी कई बातें शामिल हैं। इनके अलावा साइबर क्राइम, फेक प्रोफाइल और डेटा चोरी से जुड़ी चिंताएं भी हैं। आजकल डीपफेक और फोटो मॉर्फिंग जैसे मामलों में भी तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। अनजान लोगों द्वारा प्रोफाइल तस्वीरों का गलत इस्तेमाल, डिजिटल स्टॉकिंग और साइबरबुलिंग का भी डर है। ये सब ऐसे कारण हैं, जिसकी वजह से कई लोग सोशल मीडिया पर अब अपनी निजी जिंदगी को ज्यादा एक्सपोज करने से बच रहे हैं। इनके प्रोफाइल लॉक करने से ये संकेत मिलते हैं कि वे केवल करीबी लोगों के बीच ही सीमित रहना चाहते हैं।

लोग चाहते हैं डिजिटल डिटॉक्स: लोगों में बढ़ते इस ट्रेंड की एक वजह डिजिटल डिटॉक्स और मानसिक शांति की चाहत भी है। ऐसे लोग अपनी ओपेन प्रोफाइल रखकर बार-बार लाइक्स, कमेंट्स और स्टोरीज के रिएक्शन पर ध्यान देने की बजाय अपनी डिजिटल मौजूदगी को सीमित कर रहे हैं। कुछ लोगों के मुताबिक इसकी एक वजह सोशल मीडिया का बदलता पैटर्न भी है। पहले लोग खुली प्रोफाइल रखते थे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग उनकी पोस्ट देखें। लेकिन अब ट्रेंड बदल गया है और 'एक्सक्लूसिविटी' बढ़ रही है। लोग अब यह दर्शाना चाहते हैं कि वे हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं हैं। इससे एक अलग तरह की सोशल स्टेटस सिग्नलिंग होती है कि 'मैं केवल अपने करीबी लोगों के लिए हूं।'

डिजिटल प्राइवेसी को लेकर बढ़ी एलर्टनेस: मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक इस प्रवृत्ति में एक किस्म की 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' साइकोलाजी भी छिपी है। जब लोग देखते हैं कि उनके ज्यादातर दोस्त या जानने वाले अपनी प्रोफाइल लॉक कर रहे हैं, तो वे भी ऐसा करने लगते हैं। यह एक तरह की 'डिजिटल हर्ड मेंटेलिटी' है। लोगों को लगता है कि अगर वे अपनी प्रोफाइल ओपेन रखेंगे तो वे अलग नजर आएंगे या उनकी डिजिटल सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। यह एक साइको सिंड्रोम से कहीं ज्यादा सामाजिक प्रवृत्ति और डिजिटल सुरक्षा की बढ़ती जागरूकता का संकेत है। हालांकि इसमें भावनात्मक असुरक्षा और सोशल मीडिया की बदली हुई डायनामिक्स का भी बड़ा योगदान है। यह दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर ज्यादा सतर्क हो रहे हैं। कह सकते हैं कि यह एक सोशल ट्रेंड और डिजिटल सिक्योरिटी की बढ़ती एलर्टनेस का संकेत है। साथ ही यह भी दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर कहीं ज्यादा एलर्ट हो रहे हैं।

मॉनिटरिंग-ट्रैकिंग भी है जिम्मेदार: सोशल मीडिया पर प्रोफाइल लॉक करने के पीछे विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा सोशल मीडिया पर की जाने वाली मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग का भी असर है। सोशल मीडिया पर 'संदिग्ध' या 'एंटी-नेशनल' कंटेंट पोस्ट करने वालों को ट्रैक किया जाता है, इसके कारण भी लोगों को बहुत डर लगने लगा है कि अगर किसी ने उनके एकाउंट को हैक कर मिसयूज किया तो वे फंस सकते हैं। इस कारण आम लोग भी अब बहुत सतर्क हो गए हैं और अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखना सही समझते हैं। कई लोग 'डिजिटल लिंचिंग' से बचने के लिए अपनी प्रोफाइल लॉक कर देते हैं ताकि कोई उनके पुराने पोस्ट न खोज सके। कुछ बैंकिंग और वित्तीय कारण भी हैं, क्योंकि आधार, बैंक अकाउंट, सरकारी सब्सिडी आदि से जुड़ी जानकारी लीक होने का डर तेजी से बढ़ रहा है।

उभर रहा डिजिटल अंडरग्राउंड: इस बढ़ते ट्रेंड की वजह से लगता है, जैसे धीरे-धीरे सोशल मीडिया, ओपन से क्लोज्ड स्पेस की ओर बढ़ रहा है। ज्यादा से ज्यादा लोग प्राइवेट ग्रुप्स, टेलीग्राम चैनल्स और एनक्रिप्टेड चैट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। लॉक प्रोफाइल एक नए डिजिटल अंडरग्राउंड की तरह उभर रही है। डिजिटल अंडरग्राउंड यानी, एक ऐसी ऑनलाइन दुनिया, जो मुख्यधारा के खुले इंटरनेट से कटकर निजी, हिडेन और प्रोटेक्टेड प्लेटफॉर्म्स पर शिफ्ट हो रही है। *

गजल

अब्दुल कलाम

...जो होना था

लाख चाहा मगर हुआ वही जो होना था
अपनी तकदीर में लिखा फकत रोना था
किसी को हासिल थे तख्त व ताज यहां
कहीं फुटपाथ पर अखबार ही बिछौना था
सुनकर ही कलेजा मुंह को आ गया
मंजर आतंक का कुछ इस कदर घिनौना था
तब कहीं जाकर दुआ कबूल होती
अपना दामन हमें आसुओं से भिगोना था
बरसात में टपकती हुई छत के नीचे
नहीं महफूज घर में कोई कोना था
उन्हें सुविधा मिली और वे ही नामवर हुए
जिनको इस जहां में नफरत की फसल बोना था

कहानी / सुधा रानी तैलंग

चौकीदार अम्मा

एक बिल्डर के यहां चौकीदारी करने वाली बूढ़ी अम्मा का एक बेटा तो था, लेकिन वह उनसे अलग रहता था। हालांकि कहने को अम्मा जी की देख-भाल करने वाले बहुत से अपने लोग थे, लेकिन सच यही था, वह एक पीड़ा के साथ अपनी जिंदगी जी रही थीं। एक मर्मस्पर्शी कहानी।

ठिगना कद, घुंघराले बाल, गेहुंआ रंग, चश्मे से झांकती हुई अनुभवी आंखें, लांगदार किनारे वाली साड़ी, पैरों में मर्दाना जूते और हाथ में बड़े डायल की पुरानी घड़ी, चौकीदार अम्मा की यही पहचान थी। उनका नाम तो शायद किसी को भी पता नहीं था, लेकिन पूरी कॉलोनी में वह चौकीदार अम्मा के नाम से ही पहचानी जाती थीं।

छत्रसाल कॉलोनी में एक बिल्डर के यहां अम्मा चौकीदारी का काम बरसों से कर रही थीं। बिल्डर के जितने भी प्रोजेक्ट होते थे, उन सबकी जिम्मेदारी वह एक बुजुर्ग महिला होने के बाद भी पूरी कर्मठता से निभा रही थीं। पैंसठ साल की उम्र में भी अम्मा में गजब की फुर्ती और आवाज में रौब था। उनकी एक ही आवाज से मजदूरों के रुके हुए हाथ काम करना शुरू कर देते थे। लेकिन मजदूर उनकी बहुत इज्जत भी करते थे। कितना सीमेंट, पत्थर, चूना, ईंटें में खर्च हो रहा है, इसका हिसाब मुंह जुबानी बता देती थीं। अम्मा कभी स्कूल नहीं गई थीं, लेकिन हिसाब-किताब में वह पढ़े-लिखे लोगों को भी मात कर देती थीं। अम्मा के कहने को तो एक बेटा था, वह अच्छी नौकरी में था, किंतु शादी के बाद वह अलग रहने लगा। एक ही घर में बहू-बेटे से अलग रहना स्वाभिमानी अम्मा को गवारा नहीं हुआ, वह अपना घर छोड़ कर चुपचाप चली आईं। अम्मा बताया करती हैं कि उनके पति प्राइवेट नौकरी में थे। अचानक ही एक रोड एक्सीडेंट में उनकी मौत हो गई। बेटा अमर जब तक स्कूल में पढ़ता रहा। उन्होंने घरों में काम-काज करके बेटे को पढ़ाया-लिखाया। बेटे की नौकरी लगने के बाद उसकी शादी भी कर दी, यही सोचकर कि अब उनके सुख के दिन आएंगे। लेकिन कुछ ही दिनों बाद बहू ने उनसे स्पष्ट शब्दों में ही कह दिया कि वह उनके साथ एडजस्ट नहीं कर पाएंगी। बेटे की खुशी के लिए उन्होंने अपना ही घर-बार छोड़ दिया और एक बिल्डर के यहां काम करने लगीं। अपनी ईमानदारी और मेहनत के बल पर अम्मा चौकीदारी के साथ दूसरे और कई काम भी संभालती थीं। बिल्डर को उन पर बहुत विश्वास था।

कॉलोनी के कोने के एक खाली प्लॉट में अम्मा का टीन शेड वाला एक कमरा था, उसमें एक मूंज की बुनी हुई खाट, प्लास्टिक की कुर्सी, छोटा-सा एक बर्नर वाला गैस का चूल्हा, कुछ बर्तन, रस्सी में टंगे कपड़े ओर एक छोटा-सा ट्रांजिस्टर ही अम्मा की पूंजी थी। ट्रांजिस्टर से उनको बहुत लगाव था। सुबह छह बजे से उसमें चिंतन, भजन, हनुमान चालीसा के अलावा बुंदेलखंडी लोकगीतों को सुनते हुए आठ बजे तक उनकी काम में जाने की तैयारी हो जाती। दिन भर बिल्डर के यहां काम करने के बाद शाम को जब काम खत्म हो जाता, अम्मा अपने कमरे में आकर खाना बनातीं और खाना खाकर सामने के पार्क में जाकर बैठ जातीं।

अम्मा के वहां पहुंचते ही बच्चों की भीड़ उनको घेर लेती। अम्मा उन्हें कभी परियों की कहानी सुनातीं तो कभी भक्त प्रह्लाद, ध्रुव, राम, कृष्ण, बाल गणेश की कथाएं सुनातीं तो कभी झांसी की रानी, दुर्गावती, भगत सिंह, गांधी, सुभाष, की जीवन गाथा सुनातीं। कई बार बच्चों को भी ताज्जुब होता था कि लोग तो कहते हैं कि अम्मा पढ़ी-लिखी नहीं हैं फिर भी इनको इतना ज्ञान कैसे है? अम्मा कॉलोनी के बच्चों की बेस्ट फ्रेंड की तरह थीं।

उनकी एक ही आवाज में बच्चे इकट्ठे हो जाते थे। कई बार तो कॉलोनी की औरतें अम्मा से कहतीं, 'अम्मा जी, आपने पता नहीं क्या जादू कर रखा है बच्चों पर, ये हमारा तो कहना ही नहीं मानते और आपकी हर बात खुशी-खुशी मानते हैं। कुछ महिलाएं तो अम्मा से अपने बच्चों की शिकायत करतीं, 'अम्मा आपका लाडला जब देखों तब पिज्जा, बर्गर, मोमोज ही खाने की जिद करता है, अब आप ही इसे समझाइए।' फिर अम्मा बड़े प्यार से बच्चों को समझातीं, 'देखो बच्चो, तुम पिज्जा, बर्गर और मोमो खाओगे तो कैसे स्वस्थ रहोगे। तुम्हें तो हरी सब्जी, फल, दूध और घर का ही बना खाना चाहिए। पौष्टिक खाना खाओ, खूब खेलो और खूब पढ़ो। अपनी अम्मा की बात मानोगे तो मजे से रहोगे।' ये सुनते ही बच्चे समवेत स्वर में बोलते, 'जरूर मानेंगे।'

अगर एक दिन भी अम्मा रात को पार्क में नहीं पहुंचतीं तो बच्चे उनको बुलाने उनके कमरे में पहुंच जाते। किसी दिन अम्मा जरा भी बीमार हो जातीं तो कोई बच्चा उनके लिए दवाई, तो कोई चाय, दूध और खाना लेकर पहुंच जाता। बच्चों का इतना प्यार देख कर अम्मा की आंखों में भी आंसू आ जाते। उन्हें अपने बेटे की याद आ जाती। एक दिन पता चला कि बिल्डर के प्रोजेक्ट का काम पूरा होने वाला है। कॉलोनी में सभी को चिंता थी कि काम पूरा होते ही बिल्डर के दूसरे प्रोजेक्ट की साइट पर अम्मा भी यहां से चली जाएंगी।

अम्मा के बिना तो कॉलोनी ही सूनी हो जाएगी। उनके बच्चों को जो संस्कार, प्यार, अपनापन मिल रहा है, वो अम्मा के जाने के बाद कहां मिल पाएगा।

गर्मियों के दिन थे। सुबह का वक्त था। अचानक ही चक्कर खाकर चौकीदार अम्मा बिल्डिंग की सीढ़ियों से गिर गईं। बिल्डर ने तुरंत उनको हॉस्पिटल पंहुचाया। अम्मा के हाथ में फ्रेक्चर था। बिल्डर के साथ-साथ कॉलोनी के सभी बच्चों के परिवार वालों ने भी उनके इलाज में कोई कमी नहीं रखी। जब तक अम्मा आईसीयू में रहीं, तब तक कॉलोनी के सारे बच्चे शिव मंदिर में भगवान से उनके ठीक होने की मन्नत मानते रहे। अम्मा के ठीक होने पर बच्चों की टोली अम्मा से मिलने हॉस्पिटल पहुंच गई। नींद में उनके मुंह से कई बार अमर शब्द सुनकर डॉक्टर ने पूछा, 'यह अमर कौन है?'

किसी ने बताया कि उनका बेटा है। डॉक्टर ने एक बार उन्हें बुलाने को कहा। कॉलोनी के बच्चों ने बिल्डर से पूछ कर अम्मा के बेटे अमर का पता लगाया। वे उसके पास गए। उन्होंने अम्मा के हॉस्पिटल में एडमिट होने के बारे में बताया, उससे रिक्वेस्ट की, वह अम्मा के पास चलें। छोटे-छोटे बच्चों के आग्रह ने असर दिखाया। अमर सोचने लगा कि छोटे-छोटे पराए बच्चों को भी कुछ ही समय में मां ने प्यार से अपना बना लिया है। एक वह है, बाबूजी के जाने के बाद मां ने मेहनत, मजदूरी करके उसे पढ़ाया-लिखाया, अपने पैरों पर खड़ा किया। अपनी शादी की, शादी के बाद वह स्वार्थ में इतना अंधा हो गया कि अपने फर्ज को भूल गया। अपनी गलती पर अमर मन ही मन में बहुत शर्मिंदा था।

अमर की पत्नी ने अमर से कहा, 'देर मत करो। अम्मा जी के पास चलो।' अमर पत्नी और अपने बेटे बंटी के साथ हॉस्पिटल गया। अम्मा ने जब उनको देखा तो वह खुशी से रो पड़ीं। बेटे, बहू ने अम्मा से माफी मांगी। अम्मा ने उनको गले लगा लिया। बेटे के साथ अपने पोते बंटी को देखते ही उनकी आधी बीमारी तो ठीक हो गई। हॉस्पिटल से छुट्टी मिलते ही अमर अम्मा को अपने साथ ले गया। सबकी आंखों में आंसू थे।

जो काम बरसों तक अम्मा खुद नहीं कर पाईं, वो छोटे-छोटे बच्चों ने कर दिखाया। कॉलोनी से जाते वक्त अम्मा के हाथ में ढेर सारे गिफ्ट थे, जो बच्चों ने मिलकर अपनी प्यारी अम्मा को दिए थे। जाते-जाते बच्चों ने अम्मा से रिटर्न गिफ्ट में एक प्रॉमिस लिया कि वह हर रविवार को उनसे मिलने जरूर आएंगी। अम्मा के चले जाने के बाद कॉलोनी सूनी वीरान-सी हो गई, लेकिन वो बच्चों से मिलने रविवार के दिन पार्क में आतीं। तब पूरी कॉलोनी अम्मा की कहानियों के बोल के साथ, बच्चों के ठहाकों से गूंज उठती थी। *

ये हैं दुनिया के अनोखे म्यूजियम

अमेजिंग / रजनी अरोड़ा

म्यूजियम, सभ्यताओं के विकास, इतिहास, कला-संस्कृति के संरक्षण के केंद्रस्थल होते हैं। आज इंटरनेशनल म्यूजियम-डे के अवसर पर, दुनिया भर में मौजूद करीब 38 हजार म्यूजियम्स में से अपनी तरह के कुछ अनोखे म्यूजियम्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

कैनकुन अंडरवाटर म्यूजियम मैक्सिको

कैनकुन (मैक्सिको) के आस-पास समुद्र तल में वर्ष 2009 में तैयार किए गए इस म्यूजियम 'म्यूसियो सबकोटिको दे आटे' यानी मूसा नाम से भी जाना जाता है। इसके पीछे कलाकार जेसन डिक्लेयर टेलर की सोच है। उन्होंने यहां प्रदर्शित 500 मूर्तियों को आर्टिफिशियल रीफ की मदद से बनाया है। यह न सिर्फ देखने में अद्भुत हैं, बल्कि समुद्री जीवन के लिए एक नया इकोसिस्टम भी बनाती हैं। इन मूर्तियों ने समुद्र तल को एक अद्भुत दृश्य में बदल दिया है, जिसे देखने पर ऐसा लगता है मानो मनुष्य और प्रकृति आपस में घनिष्ठता से जुड़े हों। यहां आने वाले लोग ग्लास बॉटम बोट्स, स्नोर्केलिंग या स्कूबा डाइविंग के जरिए इसे देख सकते हैं। *

म्यूजियम ऑफ ब्रोकन रिलेशनशिप क्रोएशिया

इस म्यूजियम का कॉन्सेप्ट है-टूटे हुए रिश्ते की कहानी बयां करना। क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेब में स्थित इस म्यूजियम में दुनिया भर के लोगों द्वारा दान की गई उन वस्तुओं (अंगूठी, कपड़े, उपहार) का कलेक्शन है, जो उनके टूटे हुए रिश्तों की यादगार हैं। हर वस्तु के साथ एक नोट लिखा हुआ है, जिसमें उस वस्तु और उससे जुड़े किस्से का विवरण दिया गया है। माना जाता है कि ऐसा करने से उन्हें अपने बिखरे हुए मन को हल्का करने का मौका मिलता है। *

वेंट हेवन म्यूजियम अमेरिका

अमेरिका के केंटकी में स्थित इस म्यूजियम को डमी (पुतलों) म्यूजियम के नाम से भी जाना जाता है। विलियम शेक्सपीयर बर्जर ने 1910 में टॉमी बेलॉनी नामक आर्टिस्ट की पहली डमी खरीदी थी। 1962 में डमीज के कलेक्शन को रखने के लिए म्यूजियम बनाया गया। इस म्यूजियम में 800 से ज्यादा डमियों, तस्वीरों, प्लेबिल्स, किताबों का कलेक्शन है। हर साल यहां एक कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की जाती है, जिसमें शामिल होने दुनिया भर के विशेषज्ञ आते हैं। *

सुलभ इंटरनेशनल म्यूजियम ऑफ टॉयलेट भारत

भारत की राजधानी दिल्ली में स्थित यह म्यूजियम टॉयलेट के विकास, डिजाइन और स्वच्छता के इतिहास को समर्पित है। इसकी स्थापना 1992 में सुलभ इंटरनेशनल नामक एक गैर-सरकारी संगठन ने की थी। इसमें 50 से अधिक देशों के शौचालयों और उनसे जुड़ी तकनीकों का प्रदर्शन किया गया है, जिनमें प्राचीन काल (2500 बीसी) से लेकर आधुनिक समय तक के टॉयलेट शामिल हैं। राजा लुई द्वारा दरबार में इस्तेमाल की जाने वाली टॉयलेट सीट की रेप्लिका, सोने से जड़े टॉयलेट, आधुनिक काल के विभिन्न डिजाइन के टॉयलेट प्रदर्शित किए गए हैं। इस म्यूजियम में टॉयलेट पर लिखी कविताओं का कलेक्शन भी है, जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। *

म्यूजियम ऑफ ह्यूमन डिजीज ऑस्ट्रेलिया

यह एक पैथोलॉजिकल म्यूजियम है। यहां तकरीबन दो हजार मानव शरीर के विभिन्न अंगों और ह्यूमन टिशूज को प्रिजर्व किया गया है। इन्हें मनुष्य के ब्रेन डेड की स्थिति में या पोस्टमार्टम के दौरान ऑपरेशन करके इकट्ठा किया गया है। यहां रखे गए मानवांगों का अपना इतिहास है, जिनमें कुछ सौ साल से भी ज्यादा पुराने हैं। इनका इस्तेमाल कई बीमारियों के लिए रिसर्च करने के लिए किया जाता है। पर्यटकों को यहां अच्छी लाइफस्टाइल के बारे में काफी जानकारी मिलती है। यहां मेंटल हेल्थ, स्मोकिंग-एल्कोहल, ड्रग जैसे विषयों पर समय-समय पर प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। *

इंटरनेशनल स्पाई म्यूजियम अमेरिका

वाशिंगटन में स्थित यह म्यूजियम जासूसी की कलाकृतियों का दुनिया में सबसे बड़ा संग्रह है। यहां जासूसी प्रोफेशन के इतिहास, तकनीकों, छोटे कैमरे, स्पाई गैजेट्स, कोड ब्रेकर मशीन जैसे उपकरणों, हथियारों को प्रदर्शित किया गया है। ये मानव की सोचने-समझने की क्षमता और जासूसों की भूमिका को दर्शाती हैं। यहां पर्यटक जासूसी एडवेंचर्स में हिस्सा लेकर दुनिया भर के जासूसी फोटो, वीडियो और कहानियों के बारे में जान सकते हैं। *

द डॉग कॉलर म्यूजियम इंग्लैंड

इस म्यूजियम की स्थापना के पीछे लीथ कैसल की मालकिन लेडी बेली का डॉग्स के प्रति प्रेम रहा है। इस म्यूजियम में दुनिया के अद्भुत डॉग्स कॉलर देखने को मिलते हैं। यहां 130 से ज्यादा दुर्लभ और मूल्यवान डॉग्स कॉलर प्रदर्शित किए गए हैं, जिन्हें आयरिश स्कॉलर जॉन हंट और उनकी वाइफ ने एकत्रित किया था। शाही हीरे जड़े कॉलर से लेकर पांच शताब्दियों पुराने सबसे छोटे, सबसे फैशनेबल बो टाई तक यहां रखे गए हैं। यह म्यूजियम इंसान और डॉग के रिश्ते के विकास को भी दर्शाता है। *

जिस तरह हर कंपनी का समय-समय पर ऑडिट करके उसकी प्रोग्रेस को एनालाइज किया जाता है, उसी तरह हमें अपनी लाइफ का भी ऑडिट करते रहना चाहिए। इसका क्या प्रोसेस है और इससे क्या फायदे होते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

क्या आप भी करते हैं अपनी लाइफ का ऑडिट

लाइफस्टाइल

अंजू जैन

अगर आपको अकसर लगता है कि आपकी जिंदगी में कहीं कोई प्रोग्रेस नहीं नजर आ रही है। आप जिंदगी को जी नहीं रहे, बस इसे बिता रहे हैं। अगर ऐसा है, तो यह वक्त है सेल्फ रिव्यू का यानी अपनी लाइफ को ऑडिट करने का। इससे आपको अपनी कमियां पता चलेंगी, जिससे उन्हें आप दूर कर पाएंगे।

बनाएं लाइफ की ऑडिट रिपोर्ट: एक डायरी में अपने लक्ष्य, उद्देश्य और प्राथमिकताओं को नोट करें। अब इसी डायरी में अब तक आपने क्या खोया और क्या पाया, यह भी लिखें। आपने जो खोया उससे क्या सबक सीखा, ये भी लिखें और कौन-सी गलतियां नहीं दोहरानी हैं, यह भी। जिंदगी का यह हिसाब-किताब आपको न सिर्फ आत्म मूल्यांकन का मौका देगा बल्कि आपको बेवजह की उलझनों और बाहरी व्यवधानों से प्रभावित होने से भी बचाएगा। यह क्रम एक रुटीन में होना चाहिए, जिसे आप हर तिमाही में जरूर करें। साल में कम से कम दो बार यह काम जरूर होना चाहिए। अगर आप अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जीना चाहते हैं, तो यह ऑडिट जरूरी है।

ईमानदारी से करें सेल्फ रिव्यू: 'देवी, दिवा ऑर शी-डेविल' और 'द स्मार्ट करियर वुमेंस सर्वाइवल गाइड' की लेखिका सुधा मेनन कुछ साल पहले एक बार अपने जीवन से पूरी तरह परेशान और असंतुष्ट हो गई थीं। अपने जीवन की समीक्षा करने पर उन्होंने पाया कि उनकी जिंदगी ओवर वर्क, थकान, बोरियत और पति की उदासीनता का शिकार हो चुकी थी। दरअसल, पति बेहद सज्जन थे और कम बोलते थे। सुधा को लगा कि वे उनके प्रति उदासीन हैं। उन्होंने पति से खुलकर बात की, तो समस्या हल हो गई। वह वक्त उनकी जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट था। मेनन कहती हैं, 'लेकिन आत्मसमीक्षा के लिए और लाइफ ऑडिट के लिए आपका ईमानदार और साहसी होना जरूरी है। तभी आपको सही नतीजे मिलेंगे। अगर आप हर वक्त अस्त-व्यस्त रहते हैं, लगातार काम के बोझ से दबे रहते हैं, पारिवारिक जिम्मेदारियों को ठीक से पूरा नहीं कर पा रहे और न ही अपने नजदीकी लोगों की उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं, तो फिर समझ लीजिए कि आपको अपनी प्राथमिकताओं की समझ नहीं है। इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों और लक्ष्य की एक स्पष्ट सूची बनाकर रखें। इस आत्मसमीक्षा में आपको खुद के प्रति बेहद ईमानदार रहना होगा।

पूर्वाग्रहों से बचिए: कई बार हम जिंदगी को लेकर एक रटी-रटाई सोच अपना लेते हैं। अपनी विचारधारा बदलने को तैयार नहीं होते हैं। जैसे दुनिया कंप्यूटर पर काम कर रही है, तो भी आप टाइपराइटर के पीछे पड़े हैं। ऐसे पूर्वाग्रहों से आपके मन में जड़ता आ जाती है।

फालतू चीजों को हटाएं: लाइफ ऑडिट के दौरान खुद से कुछ सवाल पूछें जैसे- क्या मैं वही कर रहा हूं, जो मैं अपने जीवन से चाहता हूं? क्या मैं अपनी जिंदगी से संतुष्ट हूं? इन सवालों से जो जवाब मिलें उनसे आपको पता चल जाएगा कि आप आधी से ज्यादा बेकार चीजों के पीछे भागते रहे हैं और इसीलिए आपकी जिंदगी इतनी उलझी हुई और दुश्वार है। ऐसी सब चीजों को अपनी 'टू डू लिस्ट' से हटा दें। 'द लाइफ ऑडिट' की लेखिका कैरोलीन राइटन कहती हैं, 'इससे आपको अपनी जीवन यात्रा को समझने और अब तक की गई तरक्की या तरक्की में रुकावट बन रहे कारणों का पता चलता है। आपको यह भी पता चलता है कि आप कहां अटके हुए हैं। आपको अपनी इच्छाओं का भी पता चलता है।'

'मेक इट हैपेन' के लेखक और लाइफ कोच अरविंद देवलिया बताते हैं, 'अपने जीवन में छोटे-छोटे सामान्य परिवर्तन कीजिए।' अपनी जिंदगी के हर पहलू पर नजर डालिए- करियर, हेल्थ, रिलेशनशिप और देखिए आप क्या पसंद करते हैं और क्या बदलना चाहते हैं? इस दौरान पुरानी गलतियों को लेकर अपसेट बिल्कुल न हों। इसकी बजाय अपने भविष्य की प्लानिंग करें और सफलता के लिए छोटे-छोटे स्टेप उठाएं। ऐसे करेंगे तो आपकी जिंदगी पूरी तरह से बदल जाएगी, आप मनचाही सफलता पाएंगे। *

चाय को दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला पेय माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस (21 मई) के अवसर पर जानिए, अपने देश में मिलने वाली अलग-अलग फ्लेवर्स की चाय के बारे में।

ऊर्जा-ताजगी से कर दें सराबोर ये जायकेदार लाजवाब चाय

बिरयानी चाय, आगरा

रोचक

शिखर चंद जैन

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो सामान्य चाय, मसाला चाय, ब्लैक टी और ग्रीन टी तो अकसर पीते ही होंगे। लेकिन यहां हम आपको इनसे इतर अपने देश के अलग-अलग स्थानों की पॉपुलर चाय के बारे में बता रहे हैं।

तड़के वाली चाय, अमृतसर: पंजाब के लोग तड़के और मक्खन के खास शौकीन होते हैं। इस खास चाय को बनाने के लिए पिस्ता, बादाम, दालचीनी, इलायची, खसखस, गुलाब आदि को बटर में फ्राई किया जाता है और फिर इसे चाय में ऊपर से डाल दिया जाता है। अब आप अनुमान लगा सकते हैं कि इस खास पंजाबी तड़के वाली चाय में क्या शानदार स्वाद आता होगा।

गुड़-गुड़ चाय, लद्दाख: गुड़-गुड़ चाय एक स्मोकी ब्रिक टी है। यह खास तिब्बती पेमागुल चायपत्ती, नमक, याक के दूध और इसी दूध से बने मक्खन से बनती है। इस चाय से यहां मेहमानों का खास स्वागत किया जाता है। मलाईदार गुड़-गुड़ चाय का स्वाद अन्य चाय से एकदम अलग, नमकीन होता है।

बिरयानी चाय, आगरा: आगरा में तीन परतों वाली यह चाय बेहद खास मौकों पर मेहमानों को पिलाई जाती है। इसमें सबसे नीचे गाढ़ा दूध, बीच में रहती है ब्लैक टी, जो चक्र फूल और दालचीनी पावडर के साथ उबाली जाती है और सबसे ऊपर झाग वाला गाढ़ा-गाढ़ा दूध होता है। इसे पीकर तन ही नहीं मन भी नई ऊर्जा से भर उठता है।

गुलाबी चाय, लखनऊ: इस जायकेदार चाय को बनाने के लिए बेकिंग सोडा में चाय पत्तियों को देर तक उबाला जाता है। जब पत्तियां पूरी तरह अपना रंग छोड़ देती हैं तो फिर इन्हें दालचीनी, इलायची, तेजपत्ता, केवड़ा, लौंग, केसर और दूध के साथ उबालते हैं। पक कर तैयार होने के बाद ऊपर से रबड़ी और बादाम डाले जाते हैं। धी मी - धी मी पकी हुई इस लखनवी गुलाबी चाय को पीकर आप ऊर्जा से सराबोर हो जाएंगे।

लेबू चाय, कोलकाता: इस चाय को बनाने के लिए चाय पत्ती को पहले अच्छी तरह खौलाते हैं फिर इसे छानकर इसमें नीबू का रस, काला नमक, जीरा पावडर, काली मिर्च आदि डालकर सर्व करते हैं। इसमें दालचीनी, लौंग भी डाली जा सकती है।

तंदूरी चाय, दिल्ली: पंजाब और दिल्ली में तंदूरी चाय का खूब प्रचलन है। दूध में चायपत्ती, इलायची, पुदीना आदि मिलाकर पहले चाय बनाई जाती है। फिर एक गर्म तंदूर में कुल्हड़ को बेहद गर्म होने के बाद इसे चाय में डुबाकर चाय निकाली जाती है या फिर ऐसे तपते कुल्हड़ों में ही चाय डाल दी जाती है। मिट्टी के कुल्हड़ की सोंधी-सोंधी खुशबू और अनूठे स्वाद वाली यह चाय तन-मन को ताजगी से भर देती है। *

भय और आतंक के पर्याय फिल्मों के यादगार खलनायक

शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में नायक-नायिकाओं की तरह खलनायकों का भी महत्व रहा है। कई कलाकारों ने बतौर विलेन भरपूर प्रसिद्धि हासिल की। यहां आपको कुछ ऐसे ही यादगार विलेन कैरेक्टर्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें दर्शक फिल्मी पर्दे पर भय और आतंक का पर्याय मानते हैं।

बड़ा पर्दा / अशोक जोशी

जिस तरह अतीत से लेकर आज तक देश-दुनिया में कई बार वीभत्स आतंकी घटनाएं घटित होती रहती हैं। समाज में कुछ अपराधी, भयावह घटनाओं को अंजाम देते हैं, उसी तरह हमारी फिल्मों में भी कुछ खलनायकों के चरित्र को इस तरह गढ़ा गया, जो यादगार बन गए। इनके पर्दे पर आते ही दर्शकों के मन-मस्तिष्क में भय और आतंक छा जाता है। हिंदी फिल्मों के ऐसे ही कुछ यादगार निगेटिव किरदारों पर एक नजर-

शुरुआती फिल्मों के खलनायक

बी.एम. व्यास

हिंदी सिनेमा में नकारात्मक चरित्र, सनकी किरदारों को तब से ही पेश किया जाता रहा है, जब से सिनेमा की शुरुआत हुई थी। उस दौर की अधिकांश फिल्में पौराणिक कथाओं पर आधारित हुआ करती थीं। उनमें कभी भूत-प्रेत, कभी दानव और राक्षस के रूप में इस तरह के सनकी किरदार पर्दे पर आते थे। पौराणिक फिल्मों में भय और आतंक मचाने में उन दिनों बी.एम. व्यास, हीरालाल और हबीब जैसे कलाकारों को महारथ हासिल थी।

ऐतिहासिक फिल्मों के खलनायक

पौराणिक फिल्मों के बाद ऐतिहासिक फिल्मों का दौर आया, जिसमें चंगेज खां, हलाकू जैसे खतरनाक सनकी ऐतिहासिक पात्र पर्दे पर प्रस्तुत किए गए। इन किरदारों को पर्दे पर निभाकर कभी प्रेमनाथ, कभी शेख मुख्तार तो कभी प्राण दर्शकों में खौफ पैदा कर देते थे।

प्राण का यादगार किरदार राका

आगे चलकर ऐसे कई कलाकार आए, जिन्होंने नए-नए तरीके अपनाकर फिल्मी पर्दे पर आतंक और भय का वातावरण रचने में योगदान दिया। 'जिस देश में गंगा बहती है' का राका ऐसा ही खुंखार डाकू था, जो दुल्हनों के गले से आभूषण खींचते समय यह परवाह तक नहीं करता था कि इससे गला कट कर दुल्हन डोली पर चढ़ने के बजाय अर्थी पर चढ़ जाती है। प्राण ने अपने अभिनय कौशल से इस वहशी डाकू के किरदार में जान डाल दी थी।

हमेशा रहेंगे याद गब्बर, मोगैंबो, शाकाल

सिनेमा के पर्दे पर हिंसा और सनक की पराकाष्ठा 'शोले' के गब्बर सिंह में देखी जा सकती है। अमजद खान ने इस किरदार को पूरी शिद्दत के साथ निभाया था। आज भी अमजद खान का जिक्र आते ही आंखों के सामने डाकू गब्बर सिंह का चेहरा ही उभरता है। इसी तरह 'मिस्टर इंडिया' का मोगैंबो भी आतंक और सनक का दूसरा नाम था। यह अमरीश पुरी के शानदार अभिनय का ही कमाल था कि फिल्म में जैसे ही मोगैंबो के रूप में अमरीश पुरी की एंट्री होती है, दर्शकों की सांसें थम-सी जाती हैं। 'शोले' बनाने वाले रमेश सिप्पी की ही फिल्म 'शान' का विलेन शाकाल भी कम सनकी और खतरनाक नहीं था। फिल्म में शाकाल बात-बात में लोगों को मगरमच्छ की खुराक बना देता है। शाकाल का किरदार, इस भूमिका को निभाने वाले एक्टर कुलभूषण खरबंदा की पहचान से जुड़ गया था।

नायक भी बने खलनायक

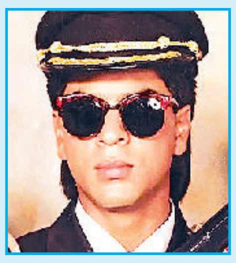

कई ऐसी साइको थ्रिलर फिल्में बनी हैं, जिसमें नायक का किरदार निभाने वाले एक्टर्स ही नेगेटिव कैरेक्टर में दिखे। 'बाजीगर', 'डर' और 'अंजाम' जैसी फिल्मों में शाहरूख खान द्वारा निभाए गए नेगेटिव रोल्स दर्शकों के जेहन में आज भी ताजा हैं। इसी तरह 'अग्नि साक्षी' में नाना पाटेकर और 'दरार' में अरबाज खान ने ऐसे पति की भूमिका निभाई, जो सनक की सारी हदें पार कर जाता है।

ये किरदार भी हैं यादगार

मुकेश तिवारी

'हम', 'घातक', 'क्रांतिवीर', धुंध जैसी फिल्मों में भय, आतंक और सनकी कैरेक्टर्स का रोल डैनी डेंजोंगप्पा ने निभाया। आशुतोष राणा ने फिल्म 'संघर्ष' में लज्जा शंकर पांडे बनकर दर्शकों को खूब डराया तो 'दुश्मन' में उन्होंने गोकुल पंडित के किरदार में भरपूर वाहवाही बटोरी। इन दोनों फिल्मों में आशुतोष राणा ने सनकीपन और वहशीपन को पर्दे पर कुछ इस तरह पेश किया कि दर्शक आज भी इनको नहीं भूल पाए हैं। 'चाइना गेट' में मुकेश तिवारी द्वारा निभाया गया जगीरा का किरदार भी एक अलग किस्म का भय का माहौल रचता है। गुलशन ग्रोवर भी तरह-तरह के गेटअप बदल कर 'बैडमैन' के चरित्र को पर्दे पर पेश कर सनक का सिलसिला आगे बढ़ाते रहे हैं। अजय देवगन ने फिल्म 'दीवानगी' में शातिर और सनकी तरंग भारद्वाज का किरदार निभाया था। 'रमन राघव' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने साइको किलर की बेहतरीन भूमिका निभाई तो 'एक विलेन' में सनकी प्रेमी और हत्यारे की भूमिका में रितेश देशमुख ने जान डाल दी थी। 'पद्मावत' में रणवीर सिंह, अलाउद्दीन खिलजी के किरदार में बेहद खतरनाक लगे। हाल में आई कुछ फिल्मों की बात करें तो बॉबी देओल ने 'एनिमल' में और 'छावा' में अक्षय खन्ना ने अपने निभाए किरदारों के माध्यम से भय का माहौल रचा। *

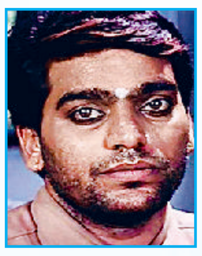

आशुतोष राणा

बॉबी देओल

पीछे नहीं रहीं खलनायिकाएं

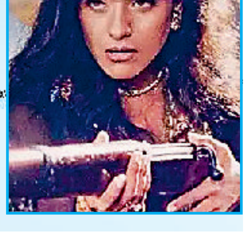

ऐसी बात नहीं कि पर्दे पर सनकी या साइको किलर के किरदार निभाने में केवल मेल एक्टर्स का ही एकाधिकार रहा है। कई फी-मेल एक्ट्रेस ने भी इस तरह के किरदारों को बखूबी निभाकर दर्शकों को हैरत में डाल दिया। 'गुप्त' में काजोल और 'कौन' में उर्मिला मातोंडकर द्वारा निभाए गए किरदारों ने दर्शकों को अचंभे में डाल दिया था।